राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 10
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रु.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ,
शनिवार , 28 जुलाई 2018

www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिले पीएम मोदी, कई मुद्दों पर हुई बात

जोहानिसबर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय वार्ता की और कहा कि भारत तथा रूस के बीच दोस्ती बहुत गहरी है। गौरतलब है कि इससे पहले मोदी और पुतिन की पिछली अनौपचारिक मुलाकात रूस के सोच्चि में हुई थी। दोनों नेता जून में चीन के छिगंदाओ प्रांत में आयोजित शंघाई कॉरपोरेशन ऑर्गेनाइजेशन सम्मिट से इतर भी मिले थे।

प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा , 'राष्ट्रपति पुतिन के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत और रचनात्मक चर्चा हुई। रूस के साथ भारत की दोस्ती बहुत गहरी है और हमारे देश विभिन्न क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करते रहेंगे''

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बाद में ट्वीट में कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी हितों खासतौर से व्यापार, निवेश, ऊर्जा, रक्षा और पर्यटन संबंधी द्विपक्षीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।

उन्होंने बताया कि मोदी – पुतिन की बैठक स्थानीय समयानुसार आधी रात को खत्म हुई।

मई में सोच्चि में मुलाकात के दौरान भारत और रूस ने अपनी कूटनीतिक साझेदारी को श्श विशेषाधिकार कूटनीतिक साझेदारी में बदला था।

मोदी दो दिवसीय ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को जोहानिसबर्ग पहुंचे। इस बार सम्मेलन की थीम ब्रिक्स इन अफ्रीका है।

ब्रिक्स की स्थापना 2009 में हुई थी और पांच देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका इसके सदस्य हैं।

नीट डेटा लीक मामले की हो जांच : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कथित तौर पर नीट (एनईईटी) 2018 देने वाले उम्मीदवारों के निजी डेटा के बड़े स्तर पर लीक होने के मामले की जांच की मांग की है।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की अध्यक्ष अनीता करवाल को लिखे एक पत्र में राहुल गांधी ने मीडिया रपट का जिक्र किया है, जिसमें राष्ट्रीय योग्यता एवं प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) में शामिल हुए 2,00,000 से ज्यादा विद्यार्थियों के डेटा लीक किए जाने का जिक्र है। उन्होंने कहा, ''यह आरोप है कि ये डेटा कुछ निश्चित वेबसाइटों पर एक मूल्य पर उपलब्ध हैं।' मीडिया रपटों में दावा किया गया है कि (शेष पृ. 7 पर). .

योगी ने राहुल पर बोला हमला, कहा इनकी हरकतों की वजह से ही इन्हें नकार चुकी है जनता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सवा साल में राज्य के सभी 75 जिलों का दौरा करने वाले प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हैं. निजी और सरकारी तौर पर गोरखपुर में सर्वाधिक आना–जाना रहा. इस रिकार्ड को अपने कर्म के बजाय भाग्य से जोड़ने वाले सीएम योगी ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर उठे सवाल पर कहा कि राहुल गांधी की बचकानी हरकतों की वजह से पूरा राष्ट्र उन्हें नकार चुका है. संसद में अविश्वास प्रस्ताव ने कांग्रेस की कलई खोल दी है. इस दौरान संसद में उनके कार्य और व्यवहार से विपक्षा का अपरिपक्व व्यक्तित्व उजागर हुआ है.

योगी आदित्यनाथ ने माब लिंचिंग को लेकर चल रहे हंगामे पर कहा कि ऐसी घटनाओं को बवजह तूल दिया जा रहा है. यदि आप माब लिंचिंग की बात करते हैं तो 1984 में क्या हुआ था? कानून व्यवस्था सरकार का विषय है. उसे सरकार देख रही है. कांग्रेस का उद्देश्य छोटे–छोटे मामलों को तुल देकर राई को पहाड़ बनाना है. योगी ने कहा कि 15–16 महीने में 75 जिलों का दौरा कर वहां की सरकारी मशीनरी को सक्रिय करने पर वह अपने आपको भाग्यशाली समझते हैं।

आजादी के बाद के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा देश- आजम खान

लखनऊ। राजस्थान के अलवर में गौतस्करी के शक में युवक की मौत को लेकर हंगामा मचा हुआ है। जहां वसुंधरा राजे सरकार से लेकर पुलिस सवालों के घेरे में हैं वहीं विपक्ष भी सरकार पर हमला बोल रही है।

इसी बीच समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान ने मुस्लिमों से अपील की है अगर अपनी और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो गाय पालना और दूध का धंधा करना छोड़ दें।

गाय के नाम पर युवक की हत्त्या को लेकर भड़के पूर्व मंत्री आजम खां ने कहा कि देश आजादी के बाद के सबसे खराब दौर गुजर रहा है। आजम खान ने कहा कि मैंने कुछ राजनीतिज्ञों को यह कहते हुए सुना है कि 'गाय को छूने पर भी अंजाम भुगतना होगा'।

ऐसे में ज्यादा अच्छा है कि वे डेयरी व्यवसाय से दूर हो जाएं। (शेष पृ. 7 पर). . .

मंत्री आशुतोष टंडन ने केजीएमयू में नवनिर्मित गर्ल्स अपार्टमेंट का किया उद्घाटन

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी में आज चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टंडन द्वारा नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल और और केजीएमयू संकाय सदस्यों के लिए निर्मित अपार्टमेंट का उद्घाटन किया गया। KGMU के सेल्बी हाल में कार्यक्रम का संचालन हुआ। इस मौके पर मंत्री आशुतोष टंडन, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा रजनीश दुबे, कुलपति डस्ट भट्ट समेत कई वरिष्ठ डॉक्टर सभागार में मौजूद रहे।

कुलपति ने की 200 एकड़ के नए परिसर की मांग

इस मौके पर झळडन के कुलपति एमएलबी भट्ट द्वारा एक नए परिसर का मांग की गई। उन्होंने कहा कि झळडन मौजूदा वक्त में भारत में तीसरे स्थान का सबसे अच्छा मेडिकल कॉलेज है। इस दौरान उन्होंने इसे और बड़ा स्वरुप देने के लिए शासन से एक नया परिसर के निर्माण का प्रस्ताव रखा। जिसका क्षेत्रफल लगभग 200 एकड़ का हो। मौजूदा वक्त में झळडब में कुल 4000 बेड है। वही प्रमुख सचिव रजनीश दुबे ने कहा कि संस्थान पिछले 6 महीने से लगातार उन्नति कर रहा है संस्थान को गति देने के लिए शासन पूरा सहयोग करेगा।

मंत्री आशुतोष टंडन ने कहा कि अब परिसर छोटा पड़ने लगा है इसके लिए झळडन प्रशासन हमें प्रस्ताव बनाकर भेजे हम उसपर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि KGMU से (शेष पृ. 7 पर). .

फतवा जारी करने वालों पर एफआईआर की तैयारी में निदा

लखनऊ। दरगाह आला हजरत से निदा खान को इस्लाम से खारिज करने का फतवा जारी होने पर शिकंजा कस गया है। डीएम वीरेंद्र कुमार सिंह ने राष्ट्रीय और राज्य अल्पसंख्यक आयोग को रिपोर्ट भेजकर अब तक के पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया है। इस मुद्दे पर आयोग की बुधवार को बैठक होने की संभावना भी जताई जा रही है। निदा खान ने कहा है कि वह फतवे को लेकर शहर इमाम और शीरान रजा समेत तीन के खिलाफ मुकदमा के लिए तहरीर देंगी।

ऐसे में यह मामला एक बार फिर से तूल पकडने के कगार पर है। निदा के खिलाफ फतवे का राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने स्वतरू संज्ञान लिया था। जांच के लिए अगले ही दिन दो सदस्य टीम बरेली भेज दी। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सय्यद गयूरुल हसन रिजवी ने डीएम से एफआइआर दर्ज कराने के लिए कहा था। डीएम ने अब इस संबंध में दोनों आयोगों को रिपोर्ट भेज दी है।

आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी चला रहीं निदा खान ने बताया कि वह बुधवार को फतवा देने लेने और जारी कराने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर देंगी। इसमें तीन लोगों को नामजद कराया जाएगा। शहर इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम, मरकजी दारुल इफ्ता (शेष पृ. 7 पर). . .

पूर्व विधायक दीनानाथ पांडेय का ब्रेन हैमरेज के बाद निधन

वाराणसी । बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधायक दीनानाथ पांडेय का बुधवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पूर्व विधायक के निधन से जिले में शोक की लहर दौड़ गयी। दीनानाथ पांडेय की तबियत कुछ दिन पहले खराब हो गयी थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए वाराणसी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका वाराणसी के निजी अस्पताल में आज प्रातरू 10 बजे (शेष पृ. 7 पर). . .

गठबंधन सम्मानजनक सीट मिलने पर ही संभव : मायावती

लखनऊ। सम्मानजनक सीटें मिलने के बाद ही गठबंधन होना संभव बताते हुए बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस को अपने नेताओं को गलत बयानबाजी करने से रोकने की सीख दी।

मंगलवार को जारी बयान में मायावती ने मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर मीडिया में जारी चर्चाओं पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कांग्रेस से गठबंधन तब ही संभव होगा जब सम्मानजनक सीटें मिलेगी वरना बसपा मजबूती से सभी सीटों पर अकेले चुनाव लडने को तैयार है।

इतना ही नहीं मायावती ने कांग्रेस नेतृत्व को चेताया कि बसपा के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी करने वाले नेताओं पर सख्ती से लगाम लगाए। उल्लेखनीय है कि मायावती कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के खिलाफ गलत बयानबाजी करने के आरोपी अपने दो वरिष्ठ नेताओं पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर चुकी है।

मजबूत (शेष पृ. 7 पर).

विवाद में घिरीं मुलायम की समधन अम्बी बिष्ट

लखनऊ। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की समधन अम्बी बिष्ट के साथ एक नया विवाद जुड़ रहा है। मामला लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की संपत्ति अधिकारी रहते विभूतिखंड गोमतीनगर में एक कीमती भूखंड की रजिस्ट्री ऐसे व्यक्ति के नाम करने का है जिसकी मौत साल भर पहले ही हो चुकी थी। गवाह के तौर पर एलडीए के एक अनुभाग अधिकारी भी शामिल थे। जांच में मामला खुलने के बाद एलडीए वीसी ने मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया है।

मामला दस साल पहले का है। 2008 में एलडीए ने विभूतिखंड में करीब 300 वर्ग फीट का एक व्यावसायिक भूखंड अनिल तिवारी नाम के व्यक्ति को आवंटित किया था। इस भूखंड का मौजूदा बाजार भाव एक करोड़ से अधिक अनुमानित है। 2010 में जिन अनिल तिवारी को भूखंड आवंटित था, उनकी मौत हो गई। लेकिन, आश्चर्यजनक ढंग से 2011 में इन्हीं अनिल तिवारी के नाम इस भूखंड की रजिस्ट्री कर दी गई। फिर उसी दिन कथित अनिल तिवारी ने भूखंड की रजिस्ट्री एक अन्य व्यक्ति के नाम पर कर दी।

अम्बी बिष्ट ने बतौर संपत्ति अधिकारीध्अनु सचिव एलडीए की ओर से रजिस्ट्री संपादित की। एलडीए के ही अनुभाग अधिकारी विद्या प्रसाद और एक बाहरी व्यक्ति केशव सिंह गुरुनानी गवाह के रूप में रजिस्ट्री प्रक्रिया में शामिल रहे। मामला दबा रहा। कुछ समय बाद यह एलडीए उपाध्यक्ष प्रभु एन सिंह के संज्ञान में आया। उन्होंने प्रकरण पर रिपोर्ट तलब की। गड़बड़ी सामने आने के बाद उन्होंने व्यावसायिक संपत्ति प्रभारी डीएम कटियार को जांच कराकर गोमती नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराने का आदेश दिया, लेकिन मुकदमा हुआ नहीं। अब एलडीए इस पर मुकदमा दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है।

मृतक के नाम रजिस्ट्री के मामले में मुख्य रूप से अम्बी बिष्ट और दो गवाहों की भूमिका संदिग्ध (शेष पृ. 7 पर). . .

पूरे देश में किसान–नौजवान सड़कों पर है, महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि : अखिलेश यादव

नई दिल्ली। अखिलेश ने कहा, पूरे देश में किसान–नौजवान सड़कों पर है, महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पूरे देश में किसान–नौजवान सड़कों पर है। महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। भाजपा सरकार की कुनीतियों की वजह से व्यापारी वर्ग बेहाल है। जनता की बुनियादी जरूरतों के प्रति सरकार का रवैया उपेक्षापूर्ण है, जनहित के मुद्दे पर भाजपा सरकार ने पूरी तरह निराश किया है। यादव ने समाजवादी पार्टी प्रदेश कार्यालय में सैकड़ों महिलाओं से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुनकर कहा कि महिलायें चाहे किसी भी समुदाय की हों उनके साथ न्याय होना चाहिए। भाजपा राज में महिलायें सबसे ज्यादा संकट में है।

सत्ता में आने पर महिलाओं का सामूहिक सम्मान करते हुये उन्हें दो हजार रूपये प्रतिमाह समाजवादी पेंशन की मदद दी जायेगी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद सर्वश्री अहमद हसन, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व एस.आर. एस. यादव, नरेन्द्र वर्मा, शैलेन्द्र यादव ललई, अरविन्द कुमार सिंह, उदयवीर सिंह आदि विधायकगण उपस्थित थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जिन शिक्षामित्रों को शिक्षक बनाकर रोजगार व शिक्षातंत्र से सषक्त किया था उन्हें भाजपा ने आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया है। आंदोलन की बरसी पर महिला–पुरूष शिक्षामित्रों का केष त्यागना वस्तुतः भाजपा में विश्वास का भी (शेष पृ. 7 पर). . .

यूपी में 29 जगहों पर आरक्षी पुलिस प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ हुआ : डीजीपी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित इंदिरा भवन में आरक्षी पुलिस प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश, ।क्ळ स्व आनंद कुमार, एडीजी लखनऊ राजीव कृष्णा समेत तमाम पुलिस के आला अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यूपी पुलिस से जुड़े हुए सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देता हूँ, प्रदेश की छवि को बदलने में पुलिस की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में 1 लाख 60 हजार रिक्तियां हैं इसके बाद भी पुलिस ने काफी अच्छा काम किया है। साइबर क्राइम, इंट्रोग्राशेन का इस बार विषय बढ़ाया गया है। पुलिस के व्यवहार के लिए भी विशेष विषय रखा गया है। प्रदेश में 1,29,000 रिक्तियों को वर्ष के अंत तक लगभग पूर्ति कर दिया जाएगा। सीएम ने कहा कि सभी नए प्रशिक्षु सही ढंग से ट्रेनिंग लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबके लिए प्रसन्नता का समय है कि आज प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारभ 29 जगहों पर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लंबे समय से पुलिस की रिक्तियां खाली पड़ी थीं। जिसकी वजह से आम जन की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। उन्होंने यह भी बताया की कहा कि जब हमने उत्तर प्रदेश की सत्ता संभाली थी। तब आम जन में असुरक्षा का (शेष पृ. 7 पर). .

मुख्यमंत्री ने बृहद गौ संरक्षण केन्द्र खोलने के निर्देश दिये

उन्नाव। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवारा पशुओ पर गंभीर समस्या के चलते जनपद में बृहद गौ संरक्षण केन्द्र खोलने के निर्देश दिये है।

एक केन्द्र के निर्माण में 1 करोड 20 लाख रूपये का खर्चा आयेगा। सदर तहसील के पतारी व थाना गांव में जमीन चिन्हित कर ली गई है कार्यदायी संस्था ने मौके पर आकर डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया है।

डीपीआर के अनुमोदन के बाद दो मे से किसी एक स्थान पर कार्य शुरू कर दिया जायेगा। इस योजना में धन की कोई कमी नही आने दी जायेगी। मनरेगा सहित सांसद व विधायक निधि से भी पैसा लिया जा सकता है।

आवारा पशुओं से हो रही फसलो की बर्बादी को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रत्येक जनपद में एक माडल गौ संरक्षण केन्द्र खोलने के लिये निर्देश गत दिनो जिलाधिकारियों को दिये थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 68 जिलो में बृहद गौ

संरक्षण केन्द्र खोलने का निर्णय लिया हैं।

बताते चले कि बुंदेलखण्ड की तर्ज पर जनपद में भी बृहद गौ संरक्षण केन्द्र बनाये जाने पर गम्भीरता पूर्वक विचार किया जा रहा है। उक्त केन्द्र को सवा एकड़ भूमि में विकसित किया जायेगा। जिसमें चार गौंवंश शेड, भूसा गोदाम कार्यालय दस हजार लीटर की क्षमता वाली पानी की टंकी तथा बाउण्ड्री वाल बनाया जाना है। सदर तहसील के पतारी एवं थाना गांव में जमीन चिन्हित की गई है। कार्यदायी संस्था पैक्सपेड के अधिकारियों ने मौके पर आकर डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया है।

अभी यह नही तय हो पाया है कि 2 मे से किस गांव का चयन होना है। इस महीने के अन्त तक उक्त योजना का डीपीआर बनकर तैयार हो जायेगा। इस योजना में धन की कमी आड़े हाथ नही आयेगी। मनरेगा, क्षेत्रपंचायत, जिला पंचायत, ग्राम पंचायत तथा सांसद विधायक निधि से भी धन की कमी होने पर जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया जायेगा।

बताते चले कि प्रथम चरण में प्रत्येक जनपद में एक एक बृहद गौ संरक्षण केन्द्र बनाये जाने की योजना है। इसके बाद तहसील व ब्लाक स्तर पर उक्त केन्द्रो का निर्माण कराया जायेगा। सदर तहसील के लोगो को अब यह उम्मीद जगी है कि आवारा पशुओ से आने वाले समय में मुक्ति मिलेगी।

बलरामपुर अस्पताल में बुखार पीड़ित कई बच्चे भर्ती

लखनऊ। दिमागी बुखार से ग्रसित छह साल की बच्ची बलरामपुर अस्पताल में भर्ती करायी गयी। तीमारदारों का कहना है कि बुखार की वजह से बच्ची बेसुध है। इससे पहले झटके आने के साथ उसका पूरा शरीर ऐंठने लगा था। डाक्टरों ने बच्ची की जांच कराई तो उसमें इंसेफ्लाइटिस की पुष्टि की है। इसके अलावा वार्ड नम्बर तीन बाल रोग वार्ड में कई बच्चे बुखार से पीड़ित हैं, इनमें कइयों के खून की जांच के लिए नमूने भेजे गए हैं। कई बच्चों में प्रथम दृष्टया मलेरिया बुखार माना जा रहा है। इन बच्चों की उम्र तीन से ग्यारह साल के बीच है, जो राजधानी के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। रविवार को पारा के खुशी बिहार कालोनी के रहने वाले शरीफ की बेटी शायबा बानो (6) तेज बुखार के साथ झटके आने लगे।

ट्रक और बाइक की टक्कर में 3 हुई लोगों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले में अलापुर थाना क्षेत्र के ककराला–बदायूं मार्ग पर मंगलवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल (बाइक) को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके ममेरे भाई व बहन ने कुछ देर बाद दम तोड़ दिया।

पुलिस अधीक्षक (नगर) जितेंद्र श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया, "मंगलवार की रात कटिया गांव निवासी मोरपाल (24) मोटरसाइकिल (बाइक) से अपने ममेरे भाई अनुज (20) और बहन रीता (22) को साथ लेकर अपने ननिहाल जा रहा था।

रात करीब 11 बजे ककराला–बदायूं मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मोरपाल की मौके पर ही मौत हो गई और गंभीर रूप से घायल रीता ने अस्पताल जाते समय व अनुज ने अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया।"

उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम कराने के बाद तीनों शवों को उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया है और इस संबंध में एक मामला दर्ज कर ट्रक और उसके चालक की तलाश की जा रही है।

घरों में डेंगू के लार्वा मिलने पर दी नोटिस

लखनऊ। मच्छर जनित बीमारियां पनपने न पाए, इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने राजधानी के कई इलाकों का जायजा लिया। मुख्य चिकित्साधिकारी की टीम ने मंगलवार को आलमबाग के चंदरनगर में दो घरों में और कैलाशपुरी के तीन घरों में लार्वा पाये जाने पर उनको नोटिस जारी की है। इसके अतिरिक्त साफ–सफाई रखने और गंदगी न फैलाने के सख्त निर्देश दिये गये हैं।

पारा के डिप्टीखेड़ा में भी तीन घरों को नोटिस जारी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम को आलमबाग और पारा के कई घरों में लगे कूलरों में भी पानी भरा मिला, जिनमें डेंगू के लार्वा पनप रहे थे। टीम ने यहां सघन जांच की और नमूनों की जांच के बाद घरों को नोटिस जारी किये। जिन लोगों को नोटिस जारी की गई है।

भ्रष्टाचार निरोधी बिल संसद से पास

संशोधन विधेयक को लोस ने भी किया मंजूर

नई दिल्ली। रिश्वत लेने वाले के साथ–साथ देने वाले के लिए भी सजा के प्रावधान और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले के दो साल में निस्तारण से संबंधित भ्रष्टाचार निरोधक (संशोधन) विधेयक 2018 को मंगलवार को संसद की मंजूरी मिल गयी। लोकसभा ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया जबकि राज्यसभा विधेयक को पिछले सप्ताह पारित कर चुकी है। विधेयक को राज्यसभा में प्रवर समिति के पास भेजा गया था और उसकी सिफारिशों के अनुरूप इसे सदन से 43 संशोधनों के साथ पारित किया गया था।

लोकसभा ने भी आज इस पर अपनी मुहर लगा दी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्री जितेन्द्र सिंह ने लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए इसे ऐतिहासिक बताया और कहा कि भ्रष्टाचार का स्वरूप बदल गया है और बदले समय, परिस्थितियों के मद्देनजर संबंधित कानून में कई अहम बदलाव करने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि विधेयक के माध्यम से पहली बार रिश्वत देने वाले को भी जिम्मेदार ठहराया गया है। रिश्वत देने वाले को यह बताना होगा कि किस वजह से और किन परिस्थितियों में रिश्वत दी गयी। विधेयक में लोकसेवकों पर भ्रष्टाचार का मामला चलाने से पहले लोकपाल और राज्यों के मामले में लोकायुक्तों से अनुमति लेने का प्रावधान किया गया है। सेवानिवृत्त लोकसेवकों को भी यह संरक्षण दिया गया है।विधेयक में रिश्वत देने वाले के लिए अधिकतम सात वर्ष की सजा या जुर्माने या दोनों का प्रावधान किया गया है जबकि रिश्वत लेने वाले के लिए न्यूनतम तीन वर्ष तथा अधिकतम सात वर्ष की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। इसमें यह व्यवस्था भी की गयी है कि भ्रष्टाचार के मामले की सुनवाई अदालत में जहां तक संभव हो प्रतिदिन की जाए और मामले का निपटारा दो साल के अंदर कर दिया जाए।श्री सिंह ने कहा कि विधेयक में इस बात का पूरा ध्यान रखा गया है कि भ्रष्टाचार के प्रति नरमी या रियायत नहीं हो।

क्या खास है विधेयक में

विधेयक में रिश्वत देने वाले के लिए अधिकतम सात वर्ष की सजा या जुर्माने या दोनों का प्रावधान किया गया है जबकि रिश्वत लेने वाले के लिए न्यूनतम तीन वर्ष तथा अधिकतम सात वर्ष की सजा और जुर्माने का प्रावधान है

इसके साथ ही यह भी ध्यान रखा गया है कि ईमानदार अधिकारी भय महसूस नहीं करें और भ्रष्टाचार रोकने में उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। ऐसे अधिकारियों को संरक्षण देना जरूरी है। इस विधेयक के माध्यम से 1988 के भ्रष्टाचार निवारण कानून में संशोधन किया गया है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए लोकपाल के गठन में देरी संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि इसकी प्रक्रिया जारी है। इस बारे में एक बैठक पिछले सप्ताह हुई थी। उन्होंने कहा कि लोकपाल के गठन में विपक्ष के नेता की भी भूमिका होती है लेकिन लोकसभा में विपक्ष नेता का नहीं है और यह भी इसका एक कारण। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार लोकसेवक अपनी संपत्ति के घोषित ब्यौरे में संशोधन कर सकेंगे। इसके अलावा सरकारी कर्मचारी को रिश्वत लेने के लिए उकसाना अपराध बना दिया गया है।

बारिश के प्रभाव ने सब्जी के दाम चढे आसमान पर पहुंचाये

उन्नाव। बारिश का मौसम आते ही सब्जियों के भाव आसमान पर चढते जा रहे है। बरसात में सब्जियों की आवक कम होने से भाव आसमान छूने लगे हैं।

सब्जियों का दाम बढ़ने से भोजन की थाली सब्जी विहीन होने लगी है। सब्जियों के भाव इस कदर चढ़ गए हैं कि जो सब्जियां अमूमन दस रुपये किलो के भाव से बिक रही थीं, उनके दाम डेढ़ से ढाई गुना तक बढ़ गए। गरीबों के लिए यह बढ़ोत्तरी खासी तकलीफदेह है।

सब्जियों की आढ़तों पर माल कम खरीददार अधिक रहे। टमाटर, पालक, लौकी, तोरई, बैगन आदि के दाम बढ़ने शुरू हो गए हैं। सब्जी उत्पादक किसान मथुरा प्रसाद का मानना हैं कि अभी एक माह तक सब्जी महंगी रहेगी उसके बाद जब खेतों की सब्जी आना शुरू हो जाएगी तभी सस्ती हो सकती है।

सब्जी खरीददार नईम का कहना है कि आवक और मांग में अंतर से थोक दाम बढ़े हैं, जिसका असर फुटकर बिक्री पर पड़ रहा है।

फतेहपुर चौरासी बाजार में

फुटकर विक्रेताओ ने बताया कि टमाटर के दाम सर्वाधिक चढ़े हैं।

गैर जिला की आवक भी कम रही है। यहां टमाटरों की बिक्री के अमूमन 8–10 जगह ढेर लगे नजर आते हैं। रविवार को 5–6 जगहों पर ही टमाटर बिकते दिखे। सब्जी खरीद रही गृहणी मधुलिका और सुनीता ने बताया कि तीन रोज पहले टमाटर का भाव 10 से 15 रुपये किलो था।

आज 30 रुपये किलो लेना पड़ा है। सब्जी महंगी होने की वजह से बाजारों में भीड़ भी कम मात्रा में ही दिख रही है।

मदरसे के छात्रों ने दिखाए ऐसे करतब सब रह गए दंग, मौलाना महमूद मदनी ने की तारीफ

लखनऊ। जमीयत उलेमा ऐ हिन्द ने अब नोजवानों को शारीरिक,मानसिक ट्रैनिंग देने के लिये जमीयत यूथ क्लब की शुरुआत की है,जिसके एक विशेष परिचय प्रोग्राम देवबन्द स्थित फिरदौस गार्डन परिचयात्मक कार्यक्रम और प्रदर्शन आयोजित किया गया.

इस अवसर पर मौलाना महमूद मदनी ने यूथ क्लब के उद्देश्यों पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि यह नकारात्मक नहीं बल्कि रचनात्मक कदम है. इसका उद्देश्य उन लोगों को तैयार करना है जो देश के सच्चे सेवक हैं, और जरूरत पड़ने पर खुद को बचाने में सक्षम हों.

मौलाना मदनी ने कहा कि आज उम्मत (मुसलमान) सब से आंतरिक संकट से पीड़ित है, मुसलमानों को लक्षित किया जा रहा है, यह युवाओं की

निराशा और नुकसान का कारण बना है. इसलिए इस समय सबसे बड़ी जरूरत है कि मुसलमानों को इस गंभीर संकट से निकाला जाए.

मौलाना मदनी ने कहा कि हम पिछले पांच वर्षों से युवाओं की मानसिक शारीरिक प्रशिक्षण पर काम कर रहे हैं. हम ने पांच हजार छात्रों को प्रशिक्षण दिया है. इसके लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट एंड गाइड का चयन किया है. यह ऐसा सिस्टम है जो मानवता के आधार पर काम करता है. यह समन्वयक का काम करता है, ताकि शारीरिक और मानसिक रूप से बेहतर सेवा करने के लिए इंसान को बनाया जाए.

मौलाना मदनी ने जमीअत उलेमा हिंद के जिम्मेदारों से कहा कि इस काम में लग जाएं, और इस परियोजना को सफल बनाने के लिए काम करें. "जमीअत यूथ क्लब" के बारे में बताया कि स्कूल और मदरसे के अलावा अन्य लोग भी शामिल हो सकेंगे, लेकिन स्कूल और मदरसे के बच्चे डाइरेक्ट भारत स्काउट एंड गाइड से जुड़े होंगे. 18 महीने में तीन स्तरों पर प्रशिक्षण के बाद 'खादिम मिल्लत' में शामिल होने के हकदार होंगे और जो स्कूल और मदरसे में नहीं हैं, उन्हें हम प्रत्यक्ष तौर से जमीअत युथ क्लब में शामिल करेंगे.

मास्टर नौशाद अली ने स्काउट एंड गाइड के तीन बुनियादी काम (1) ड्यूटी जव गॉड (2) ड्यूटी जव अदर्स (3) ड्यूटी जव सेल्फ पर प्रकाश डाला. बच्चों का हुनर देखने के बाद, मौलाना मादिनी ने उन्हें अपने हाथों से शील्ड और सर्टिफिकेट दिया.

आवास न बनाने वाले 10 लाभार्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मोहनलालगंज में बीडीओ ने की कार्रवाई

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कच्चे मकानों में जीवन बिताने वालों को मकान बनाने के लिए चयनित किया गया। दो किस्तों में पैसा भी सीधे खातों में चला गया, लेकिन डेढ़ वर्ष पहले इंदिरा आवास में चयनित लाभार्थियों को 70 हजार और प्रधानमंत्री आवास में लाभार्थियों को 1.10 लाख रपए भेज दिए गए। कई महीने बीत गए, लेकि न लाभार्थियों ने आवास नहीं पूरा किया। नोटिस भेजी गई तो जवाब नहीं दिया। अब बीडीओ मोहनलालगंज ने ब्लाक के ऐसे 10 लाभार्थियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोहनलालगंज की कनकहा पंचायत के सुनील को प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास के लिए 1.10 लाख रपए की दोनों किश्तें मिल चुकी हैं, लेकिन आवास अभी तक पूरा नहीं हुआ। निगोहां के मंगटइया गांव की सिया, निगोहां पंचायत की रानी व कुश्मौरा के राम विलास, गढ़ी मेहदौली की उर्मिला, नगराम की जमालपुर ददुरी पंचायत के अवधेश ने भी पैसा मिलने के बावजूद अपना घर पूरा नहीं कराया।

इन सब को बीडीओ ने पहले नोटिस भेजते हुए चेतवानी दी कि अगर आवास पूरा नहीं हुआ तो इसे सरकारी पैसे का दुरुपयोग माना जाएगा। इसके बावजूद लाभार्थियों की ओर से कोई जवाब नहीं आया तो अब बीडीओ ने लाभार्थियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। इंदिरा आवास योजना के समाप्त हुए करीब डेढ़ वर्ष बीत चुके हैं। इसके बावजूद मोहनलालगंज के चार लाभार्थियों ने 70 हजार रपए मिलने के बावजूद आवास पूरा नहीं किया। किसी की छत नहीं पड़ी है तो किसी ने दीवार नहीं खड़ी की। नोटिस पर भी किसी ने अपनी समस्या नहीं बताई। इसलिए अब प्रशासन ने सख्ती करते हुए इंदिरा आवास लाभार्थी नगराम के कुबहरा की सुखदेई, सुखरानी व आशा और निगोहां के दाती पंचायत के गोकरन के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

एनसीसी कैडेटस के साथ कर्नल ने वितरित किए कपड़े के थैले

सीतापुर। 22 वीं वाहिनी छब्ब सीतापुर के एनसीसी कैडेट्स के साथ कर्नल अजय शर्मा ने बांटे कपड़े के थैले व लोगों को बताया किष बाजार से सामान उठाकर लाने की सहूलियत देने वाली पॉलीथीन हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है, किन्तु थोड़ी सी सहूलियत के लिए हम समूचे जीव जगत को खतरे में डाल रहे हैं।

पॉलीथीन ऐसे रसायनों से बनाया जाता है। जो जमीन में 100 सैंकड़ों वर्ष तक गाड़ देने से भी नष्ट नहीं होता। सौ साल के पश्चात भी पॉलीथीन को जमीन से ज्यों का त्यों निकाला जा सकता है। जरा सोचें हमारी धरती माता संसार की हर चीज हजम कर लेती है किन्तु पॉलीथीन तो उसे भी हजम नहीं होता।

पॉलीथीन पृथ्वी के स्वास्थ्य और हमारे स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर डालता है। पॉलीथीन पानी के रास्ते

को अवरुद्ध करता है खनिजों का रास्ता रोक लेता है अर्थात एक ऐसी रुकावट जो जीवन के सहज प्रवाह को रोक लेती है।पॉलिथीन जानलेवा है यह जीवन के लिए जहर है पॉलिथीन से निकलने वाली जहरीली गैसें हवा के साथ मिलकर उसे जहरीला बनाती हैं। पानी में फेंके जाने पर ये जलचक्र में बाधक होकर बादल बनने से रोकता है पानी के जीवों के असमय मौत का कारण बनता है। खुले में पॉलिथीन का

फेंका जाना और भी खतरनाक है।

यह मिट्टी को भुरभुरी कर देता है और पशुओं की मौत का कारण भी पॉलिथीन ही बनता है।,

पॉलीथीन को इस्तेमाल करने से बचें इसकी जगह कागज और कपड़े का प्रयोग करना चाहिए। रंग बिरंगे पॉलीथीन वैसे ही कैंसर जनक रसायनों से बनते हैं और काले रंग के पॉलीथीन में तो सबसे ज्यादा हानिकारक रसायन होते हैं जो बार बार पॉलीथीन के चक्रण से बनते हैं।

इसीलिए हमें प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता को समझना होगा और जमीन पर फेंके गए प्लास्टिक का निपटारा किया जाना चाहिए क्योंकि यदि प्लास्टिक जमीन में धस जाए तो यह कभी नहीं गलती और यह मिट्टी के पौष्टिक तत्वों को भी नष्ट कर देती है।

इन बातों को अपनी रोजाना की जिन्दगी में अपनाकर ही हम प्लास्टिक प्रदूषण को धीरे समाप्त कर सकते हैं , इसीलिए अपनी आदतों को सुधारकर ही हम प्रदूषण की बढती हुई समस्या को खत्म कर सकते हैं अब समय आ गया है के हम अपनी बुरी आदतों को छोड़ कुछ जीवन सुधारक कदम उठाकर अपनी आने वाली भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर जीवन सुनिश्चत कर सकते हैं।

हमारी संस्कृति का रिश्ता सीधा मन से जुड़ा है : विधानसभा अध्यक्ष

उन्नाव। भारतीय संस्कृति की व्याख्या कठिन भी है और सरल भी है क्योंकि हमारी संस्कृति का रिश्ता सीधा मन से जुड़ा है और यदि सच्चे मन से विभिन्न परिस्थितियों में मन के अन्दर उठने वाले भावों को परखे जाने और माने तो हमारी संस्कृति को समझना बहुत आसान है।

विधानसभा मोहान के हसनगंज में स्थित शुभम् मैरिज लॉन में भारत की संस्कृति में हिन्दुत्व के तत्व विषय पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए चिन्तक विचारक तथा विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित ने उक्त बात कही। क्षेत्रीय विधायक बृजेश रावत द्वारा आयोजित गोष्ठी में पहुंचने से पूर्व विधायक बृजेश रावत ने लम्बे काफिले के साथ मोहान सीमा पर विधानसभा अध्यक्ष हृदयनारायण दीक्षित का स्वागत किया। जहां से सभास्थल तक रास्ते में बने दर्जनो स्वागत द्वारो पर विधानसभा अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया।

मंच पर क्षेत्रीय विधायक ने सम्मान पत्र पढ़कर भेंट किया तथा स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत श्री दीक्षित ने कहा कि क्षेत्र में हुए स्वागत से लगता है कि बृजेश रावत क्षेत्र के जनप्रिय विधायक हैं वैसे भी क्षेत्र से सम्बन्धित समस्याओं एवं विकास को लेकर समय-समय पर मेरे से सहयोग लेते आ रहे हैं। अपने विचारो को आगे बढ़ाते हुए श्री दीक्षित ने कहा कि किसी को घायल देख दुःखी अथवा पीड़ित देख हमारे मन में दया ममता के जो भाव पैदा होते हैं वह हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं

और इन भावों का जन्म हमारे अंदर देश के ऋषियों-मुनियों और महामानवो द्वारा स्थापित मूल्यों के कारण होता है। मसलन यदि रास्ते में हम हरा पेड़ कटता देखते हैं तो मन में अपने आपसे भाव पैदा होता है कि यह गलत है तथा मन में जिस तत्व से जन्मी गलत की भावना वह तत्व हमारी संस्कृति अथवा हिन्दुत्व है। विचारो की दिशा को मोड़ते हुए श्री दीक्षित ने कहा कि स्थापना के बाद से देश में लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट आने से लोगों में लोकतंत्र के प्रति आस्था एंव विश्वास कम हुआ था

लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कार्य कुशलता एवं राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम एवं समर्पण की भावना से लोगों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति विश्वास जगाया जिनकी एक आवाज पर भारत के लोगों ने ही नहीं बल्कि विश्व के लोगों ने योग को स्वीकार कर योग दिवस मनाना शुरू कर दिया है। आज हर भारतीय के मन में अपना घर ही नहीं गली एवं मोहल्ले को साफ करने की भावना जागृत हो गयी है और यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति बढ़े जन विश्वास के कारण हुआ है।

अन्त में विधानसभा अध्यक्ष श्री दीक्षित ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष के नाते पक्ष-विपक्ष को सदन में अपनी मांगो के समर्थन में मौका देना हमारा कर्तव्य है और हम सभी को मौका देते हैं लेकिन लोकसभा में विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार कर बोलने का मौका दिया गया कि उनके पास अविश्वास लायक संख्याबल नहीं है लेकिन अध्यक्ष ने यह सोच मौका दिया कि विपक्ष सदन में बहस के दौरान कुछ ऐसे बिन्दु उठायेगा जिससे देश में वैचारिक क्रान्ति आयेगी, विकास को नई दिशा मिलेगी

लेकिन सदन में प्रतिपक्ष के नेता की हरकतो से भारतीय लोकतंत्र शर्मशार हुआ। अन्त में श्री दीक्षित ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। गोष्ठी से पूर्व हसनगंज में भाजपा विधायक जन सुविधा केन्द्र का क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रद्युम्न जी ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। गोष्ठी की अध्यक्षता रामशंकर त्रिपाठी ने की।

जिसे ओमशंकर त्रिपाठी, विंध्यवासिनी कुमार, पूर्व मंत्री राजीव मिश्रा, जिलाध्यक्ष श्रीकान्त कटियार, राजेश द्विवेदी, कमलेश, ललित कुमार मौर्य, रमन तिवारी, मनीष राठौर आदि ने संबोधित किया। संचालन संजय मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सरोज सिंह चौहान, पप्पू सैंता, आकाश निगम, कौशलेन्द्र मिश्रा, धर्मवीर सिंह सोनू, सौरभ यादव, ऋषी जायसवाल, दिनेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महिला शिक्षा मित्रों ने सिर मुंडवाकर किया विरोध, कहा- सीएम योगी संत नहीं स्वार्थी व्यक्ति

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के शिक्षक पद पर समायोजन रद्द करने के फैसले के बुधवार को एक साल पूरा होने पर शिक्षामित्रों ने काला दिवस मनाया। इस दौरान प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए नाराज महिला शिक्षामित्रों ने अपना सिर मुंडवा दिया। वहीं पुरुष शिक्षामित्रों ने भी सिर मुंडवाकर और अपना जनेऊ उतारकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शिक्षामित्रों ने आरोप लगाया कि केंद्र और योगी सरकार ने उनकी अनदेखी की है।

शिक्षामित्रों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को लखनऊ के इकोगार्डन में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। गौरतलब हो कि शिक्षामित्र समायोजन के संबंध में 25 जुलाई 2017 को राज्य सरकार, बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा दायर सिविल अपील पर सर्वोच्च न्यायालय ने 1.70 लाख शिक्षा मित्रों का समायोजन निरस्त कर दिया गया था। जिसके बाद शिक्षामित्रों में लगातार रोष व्याप्त है। इनकी मांग है कि शिक्षामित्रों को शिक्षक बनाया जाए और जो शिक्षामित्र टीईटी उत्तीर्ण हैं, उन्हें बिना परीक्षा दिए ही नियुक्ति दी जाए।

अपनी मांगों की अनसुनी से नाराज शिक्षामित्र का गुस्सा मुख्यमंत्री पर जमकर बरसा। प्रदर्शन में शामिल हुईं महिला शिक्षामित्रों ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ क्षत्रिय नहीं हैं, उनकी नसों में क्षत्रिय का खून नहीं है, और न ही वह संत है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि सीएम ने अपने स्वार्थ के लिए परिवार का त्याग किया। महिला ने कहा कि आज हम यहां अपने बच्चों के लिए अपने केशों की तिलांजिल दे रहे हैं। सीएम हमारे और परिवार का दर्द नहीं समझ सकते है। क्योंकि वह अपने स्वार्थ के लिए परिवार को छोड़ चुके हैं।

शिक्षामित्रों ने सरकार पर उपेक्षा और राजनीति करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार उनके मुद्दे पर सिर्फ राजनीति कर रही है। सीएम योगी ने अश्वासन दिया था कि शिक्षामित्रों के हित में काम करेंगे। सरकार ने जो वादें अपने संकल्प पत्र में किए थे, वो आज तक पूरे नहीं हो सके। अब सरकार शिक्षामित्रों को अपनी राजनीति का शिकार बनाते रहे है। इतना ही नहीं मूल विद्घायल भेजने की चाणक्य नीति खेल रही है।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले एक माह से अपनी इको गार्डन में आंदोलनरत शिक्षामित्रों ने कहा सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाया। शित्रामित्रों की मांगों में समायोजन और मानदेय बढ़ाने की मांग की है। इसके अलावा शिक्षामित्रों को अभी 10 हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है इसे बढ़ाकर 38 हजार रुपए किए जाने की मांग भी शामिल है। शिक्षामित्रों का कहना है कि सबसे कम वेतन उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्रों को दी जा रही है।

कोटेदारों के खिलाफ फैसला लेने से पहले सुनी जाए उनका भी पक्ष : अवस्थी

हरदोई। आर्दश कोटेदार एवं उपभोक्ता वेल फेयर एसोसिएशन हरदोई के जिला संगठन द्वारा जिला कलेक्टर को कई मागो को लेकर जैसे राजनीति कारणो से फर्जी शिकायत करके जाँच के समय कोटेदार का पक्ष न सुनना जिला अधिकारी को दिये गये पत्र पर मांग की गई है कि निलम्बन के पहले कोटेदार के पक्ष को सुना जाये या पुनः अन्य किसी विभाग के अधिकारी द्वारा पुनः जाँच कराई जाये

इस के साथ और एक माग कि गई हैं कि महोदय द्वारा जनपद के सम्मत कोटेदार को शासन की मंशा के अनुरूप सतप्रतिशत वितरण तथा कोटेदारो की भी सम्सस्यो को सुने महोदय द्वारा पुर्ण आस्वासन दिया गया है कि जल्द ही सम्मत कोटेदारो को जिला पर मिटिग बुलाकर सुना जायेगा

अनिल कुमार अवस्थी जिला अध्यक्ष, राम चरण मल्लावॉ ब्लाक अध्यक्ष, राजेश कुमार मल्लावॉ ब्लाक उपाध्यक्ष, उदय प्रताप पाली ब्लाक अध्यक्ष ने अपने जिलाध्यक्ष के साथ जा कर जिला अधिकारी को दिया गया ज्ञापन।

केडीसीए चेयरमैन शिवबीर सिंह का हुआ स्वागत

उन्नाव। वरिष्ठ भाजपा नेता व चेयरमैन केडीसीए डा0 शिवबीर सिंह भदौरिया अपने निजी कार्य से कानपुर से लखनऊ जा रहे थे।

तभी लखनऊ कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पूर्णा देवी धाम के समीप पूर्व मोदी सेना प्रभारी एवं प्रदेश सचिव जानकी फाउण्डेशन शशांक मिश्र के संयोजन में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास के पथ पर अग्रसर है।

आप सभी लोग पार्टी की नीतियों व रीतियों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करें। आगामी के 2019 के चुनावों में भी भाजपा प्रचण्ड बहुमत के साथ विजय पताका लहराने का काम करेगी। पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी शशांक मिश्र ने उन्हे आश्वस्त किया कि आपके बताये गये दिशा निर्देश व जनहितकारी कार्यो के साथ हम लोग जनता के बीच जाने का कार्य करेंगें।

ताकि विकास के रास्ते जीत का मार्ग प्रशस्त्र किया जा सके। इस दौरान प्रमुख रुप से पूर्व मोदी सेना जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश उर्फ चंदन सोनी, पूर्व जिलाउपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र पाण्डेय, मंत्री जितेंद्र कुमार सहित अन्य समर्थक उपस्थित रहे।

केजीएमयू के फरमान से मरीज परेशान

नयी व्यवस्था में ओपीडी पर्चा की वैधता एक ही दिन होगी

लखनऊ। भले ही मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा दिलाने के तमाम दावे किये जाते हो लेकिन किंग जार्ज चिकित्सा विविद्यालय में यह व्यवस्था उलट दिखायी देती है। हाल ही में केजीएमयू प्रशासन ने ओपीडी पर्चा को लेकर नयी व्यवस्था शुरू की है। इससे मरीजों को हर दिन ओपीडी पर्चा बनवाना होगा। यही नहीं यदि एक ही दिन में दो अलग विभागों में उपचार करवाना है तो उसके लिए अलग-अलग एक रुपये देकर नया पर्चा बनवाना पड़ रहा है। मंगलवार को पर्चा बनाने की नयी व्यवस्था कई विभागों में शुरू की गयी। मेडिसिन विभाग की ओपीडी आए बाराबंकी के दीन दयाल गुप्ता (54) कहते हैं कि हर बार इलाज करवाने पर नया ओपीडी पर्चा बनवाना मरीजों के साथ घोर अन्याय है, क्योंकि पहले पर्चा के लिए लाइन लगाओ, फिर डाक्टर को दिखाने के लिए लाइन लगाओ, इसके बाद जांच के लिए या दवा के लिए लाइन लगाओ। नया पर्चा बनवाने का निर्णय बिलकुल गलत है। एक पर्चा की वैधता पंद्रह ही रहनी चाहिए। खदरा के मोहम्मद आलम (37) बोल पड़े कि मेरी बात सुन लीजिए कि सरकार गरीबों को मुफ्त इलाज दिलाने का दावा करती है। वहीं केजीएमयू में ओपीडी पर्चा के नाम पर एक-एक रुपये की धनउगाही करने में जुटा। इसका समर्थन कई मरीज करते हैं कि कुल मिलाकर नयी व्यवस्था से मरीज और तीमारदारों की मुश्किल बढ़ना तय हैं। केजीएमयू के सभी विगाध्यक्षों को भेजे गए सकरुलर में कहा गया कि रोगियों को वितरित किये जाने वाले पत्रे की कीमत एवं प्रिंटिंग में हो रहे व्यय भार को कम करने के लिए दो सुझाव दिये गए। विभाग की ओपीडी में आए मरीजों से पर्चा शुल्क प्रत्येक बार एक रुपये लिया जाना चाहिए।

पूर्व विधायक के ममेरे भाई पर फायरिंग

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिला में बहुजन समाज पार्टी (ठैच) के पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित के ममेरे भाई पर बेखौफ बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस हमले में वह गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। आशंका जताई जा रही है कि जमीनी रंजीश के चलते उन पर यह जानलेवा हमला हुआ है।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना कोतवाली बागपत क्षेत्र के छभ-709 (ठ) की है।

एडीओ पंचायत के निर्देश पर ब्लॉक परिसर में चलाया गया स्वच्छता का अभियान

रायबरेली। बछरावां ब्लॉक परिसर में एडीओ पंचायत रवि शंकर बाजपेई के निर्देश में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता का अभियान चलाया गया

जिससे ब्लॉक परिसर में जहां पर छोटे-छोटे गड्ढों में पानी भर गया था उनके जल की निकासी की व्यवस्था की गई साथ में साफ सफाई की गई घास की कटाई की गई जो भी कूड़ा करकट पड़ा था उसकी सफाई की गई इस तरीके से पूरे ब्लॉक परिसर में तेजी से स्वच्छता का अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान में कई सफाई कर्मी जैसे मनोज संदीपन इंद्रेश प्रवेश राजाराम आशा सुनीता नीरज वा समस्त सफाई कर्मियों ने सफाई का कार्य किया।

60 साल पुरानी बिल्डिंग भरभराकर गिरी, भारी नुकसान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हसनगंज थाना क्षेत्र के बब्बू वाली गली में एक बिल्डिंग के गिर जाने से हड़कंप मच गया। बिल्डिंग के गिरते ही लोग इधर उधर भागने लगे। शोर शराबा सुनकर लोग भयभीत हो गए। इसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की तफ्तीश की। बिल्डिंग गिरने से किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

श्रावण माह की शुरुआत 28 से

लखनऊ। श्रावण मास 28 जुलाई शनिवार से प्रारम्भ होगा। इस माह में भगवान शिव की आराधना से होती है। महर्षि पाराशर ज्योतिष संस्थान के ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश पाण्डेय के अनुसार श्रावण माष प्रकृति के आह्लाद का महीना है। भगवान शिव की आराधना इस कलयुग में फलदायी होती है। श्रावण माष में द्राभिषेक माहात्म्य भगवान शिव का पूजन व द्राभिषेक का विशेष महत्व है। द्राभिषेक से सिद्धि शीघ्र होती है। धन की इच्छा रखने वाले व्स्फटिक शिवलिंग पर गोदुग्ध से, सुख समृद्धि की इच्छा रखने वाले गोदुग्ध में चीनी व मेवे के घोल से, शत्रु विनाश हेतु सरसों के तेल से, पुत्र प्राप्ति हेतु मक्खन यानी घी से, अभीष्ट की प्राप्ति के लिए गोघृत से तथा भूमि भवन एवं वाहन की प्राप्ति के लिए शहद से द्राभिषेक करना चाहिए।

जब घायल बच्चे की जान बचाने को कंधे पर लेकर भागा जांबाज दारोगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र स्थित मिसलगढ़ी (आकाश नगर) में बीते रविवार दोपहर पांच मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग भरभरा कर गिर गई। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एनडीआरएफ ने रात करीब 3 बजे तक 11 लोगों को निकाल लिया था। इस तरह घायलों की संख्या बढ़कर 9 हो गई, जबकि राजेश नाम के युवक और एक 7-8 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का नाम सागर बताया जा रहा है। इस घटना के होते ही तमाम मीडिया और टीवी चौनलों ने घटना को दिखाना शुरू किया।

मीडिया के कैमरों में उस पुलिसकर्मी का चेहरा नहीं आ पाया जिसने घटना होते ही सबसे पहले मौके पर पहुंचकर एम्बुलेंस का इंतजार किये बगैर घायल बच्चे को अपने कंधे पर लादा और अस्पताल की तरफ भाग पड़ा। जी हाँ हम बात कर रहे हैं उप निरीक्षण धर्मेंद्र लांबा की। धर्मेंद्र ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर एक बच्चे की जान बचाई। धर्मेंद्र ने बताया कि घायल बच्चे को वह समय से अस्पताल पहुंचा सके और उसकी जान बचा ली। इस जांबाज दरोगा की फोटो अंकित तिवारी ने ट्वीट की हैं। अंकित की इन फोटो को 24 घंटे के भीतर 1000 लोगों ने लाइक और 250 से अधिक लोगों ने रीट्वीट किया है।

इन फोटो पर एसएसपी गाजियाबाद वैभव कृष्णा ने ट्वीट के रिप्लाई में लिखा है कि एसआई धर्मेंद्र लांबा के साहस और मानवता के कार्य पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि पूरे ऑपरेशन में सिविल पुलिसध्कायर सर्विस टीम ने अनमोल जीवन बचाने के लिए एनडीआरएफ के साथ अथक रूप से काम किया। सभी को जल्द ही सम्मानित किया जाएगा।

गौरतलब है कि गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र स्थित मिसलगढ़ी (आकाश नगर) में रविवार दोपहर पांच मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग भरभरा कर गिर गई थी। इस घटना में 9 लोग घायल हुए जबकि दो लोगों की मौत हुई थी। जीडीए के एक अभियंता ने इस मामले में प्लॉट मालिक दिनेश कुमार सिंह, बिल्डर मुकेश सिंह व कृष्णपाल तोमर समेत अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने करीब आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया।

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल हुए पांच लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। पुलिस का कहना है कि बिल्डिंग अवैध तरीके से बनाई जा रही थी। घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडलायुक्त मेरठ, डीएम गाजियाबाद और एडीएम वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित कर दी है।

प्रदेश सरकार ने मृतक के परिजनों को दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

जिलाधिकारी ने बताया कि मनीष गोयल समेत चार बिल्डरों के नाम प्रकाश में आए हैं। सभी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई होगी। देर शाम एडीजी प्रशांत कुमार और केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह भी घटना स्थल पर पहुंचे थे।

इस हादसे में दमोह (मध्य प्रदेश) निवासी एक परिवार के गीता उसका पति राजकुमार, बेटा शिवा और सागर, मां विद्या, चाची गुलाब रानी, चाचा मुन्ना, भाई राहुल, गुलाब रानी का बेटा देवेंद्र दब गए, जबकि दूसरे परिवार के सागर (मध्य प्रदेश) निवासी अरूण उसकी पत्नी रानी, बेटा हेमराज, अभिषेक व भाई सुरेंद्र भी मलबे में दब गए। इनमें से एनडीआरएफ ने आठ लोगों को निकालकर संयुक्त जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने राहुल (35) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में गुलाब रानी, देवेंद्र और शिवा को दिल्ली जीटीबी रेफर कर दिया। संयुक्त अस्पताल में गीता, राजकुमार और बचाने में घायल हुआ रईस का इलाज चल रहा है। देर शाम तक अन्य लोगों की तलाश जारी थी।

सम्पादकीय

भीड़ की हिंसा

भीड़ की हिंसा और हत्याओं पर राजनीति में उबाल है। विपक्षी पार्टियों ने संसद में जिस तरह सरकार पर हमला किया उसे अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। कहीं भी लोग कानून अपने हाथों में ले रहे हैं, तो यह देश के लिए अत्यंत ही खतरनाक संकेत है। किंतु इसे कोई रंग देने की कोशिश उचित नहीं है। गोरक्षण के नाम पर अवश्य एक समुदाय के व्यक्ति की हत्या हुई है। किंतु इसी घटना के साथ राजस्थान में ही एक दलित युवक की भीड़ ने दूसरे समुदाय की लड़की से प्रेम करने के कारण पीट-पीट कर हत्या कर दी। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में बच्चा चोरी के नाम पर मारी गई मानसिक रूप से बीमार महिला भी उस समुदाय से नहीं है। हाल में बच्चा चोरी के नाम पर मारे गए लोगों को किसी समुदाय के विरु द्ध हिंसा नहीं माना जा सकता है। वास्तव में चिंता हमारे समाज के सामूहिक चरित्र पर होनी चाहिए। आखिर, लोग इस तरह हिंसक क्यों हो रहे हैं? दुर्भाग्य से राजनीति इस मूल प्रश्न पर विचार करने को तैयार नहीं है। नेताओं का रवैया केवल इसका राजनीतिक लाभ उठाने का दिख रहा है। यह शर्मानक और दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्चस्तरीय समिति की जानकारी देते हुए भीड़ की हिंसा के खिलाफ यथासंभव कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है, किंतु इससे हम आास्त नहीं हो सकते। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देश, केंद्र की पूर्व में जारी एडवायजरी, अफवाहों से बचने की विज्ञापनों द्वारा सलाहों, आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाइयों आदि के बावजूद यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। तो इसके मूल कारणों की गहराई से छानबीन किए जाने की आवश्यकता है। एक दूसरे को दोषी ठहराकर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा सकती हैं, पर यदि हिंसा की यह प्रवृत्ति बढ़ती गई तो कैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो जाएगी इसकी कल्पना से ही सिहरन पैदा होती है। आखिर, ऐसा क्या है कि कोई अफवाह उड़ा देता है कि बच्चा चोर हैं, गो तस्कर हैं, और ऐसे लोग जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं क्रूर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं? हमारा मानना है कि संसद इस पर अलग से बहस करने के लिए समय निकाले तथा राजनीतिक गोलबंदी से परे होकर माननीय सांसद समाधान तलाशने पर विचार करें। सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों के साथ अन्य दलों के नेताओं तथा सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं का एक समूह बनाया जाए जो हिंसा की रिपोर्ट को देखकर सच्चाई की तह तक जाए एवं इसे रोकने के उपाय सुझाए।

2019 की चुनावी लड़ाई का बिगुल फुंक गया

कांग्रेस ने अंततः अपनी कार्यसमिति की बैठक में आज की भारतीय जनता पार्टी की बिल्कुल सही शिनाख्त कर ली है-यह मोदी पार्टी है। मॉब लिंचिंग, गुप्त हत्या, हत्याओं की श्रृंखला और जनसंहार इसकी राजनीति के, सर्वग्रासी सत्ता और पूर्ण वर्चस्व के इसके लक्ष्य के क्रियात्मक रूप हैं। अपनी इसी शिनाख्त के आधार पर कांग्रेस ने यह जरूरी निर्णय लिया है कि 2019 के चुनाव में उसे अपने किसी तथाकथित दूरगामी हित की बिना परवाह किए देश के सभी स्तर के अलग-अलग मतावलंबी लोगों को भी एकजुट करके भारत में मोदी पार्टी को पराजित करना है। कांग्रेस ने इसे भारत का दूसरा स्वतंत्रता संघर्ष कहा है। हम इसे भारत में जनतंत्र मात्र की रक्षा की लड़ाई कहना चाहेंगे क्योंकि जनतंत्र अगर रहेगा तो सत्ता पर राजनीति के सभी अलग-अलग प्रतिद्वंद्वी दावेदारों का भी अस्तित्व रहेगा अन्यथा लिंचिंग, हत्याओं की श्रृंखला, जनसंहारों की राजनीति का प्रत्येक संवेदनशील नागरिक तक को शिकार होना होगा। राजेश जोशी की कविता है-''जो निरपराध होंगे, वे मारे जाएंगे।' भारत की जनता ने अपनी आजादी के बाद के राजनीतिक जीवन में जनतंत्र मात्र की रक्षा की एक ऐसी, भले छोटी ही क्यों न हो, महत्त्वपूर्ण लड़ाई लड़ी है। इंदिरा गांधी के आंतरिक आपातकाल के खिलाफ लड़ाई-जब इंदिरा गांधी में सर्वग्रासी सत्ता का रुझान दिखाई दिया था और उस समय इंदिरा गांधी को पराजित करके पटरी पर लाने की लड़ाई में किसी ने भी लड़ाई में उतरे लोगों की अपनी-अपनी पहचानों की एक बार के लिए परवाह नहीं की थी। चूंकि सन 1975 से 1977 के उस अनुभव के साथ कांग्रेस दल का नाम जुड़ा हुआ है, संभवतः इसीलिए अभी कांग्रेस कार्यसमिति आने वाले दिनों की इस एक और बेहद चुनौती भरी, जनतंत्र की रक्षा की कठिन लड़ाई को ''दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन' बता रही है। लेकिन, सारतः यहां कहना पड़ता है -''नाम में क्या रखा है !' मूल बात, जो कांग्रेस कार्यसमिति ने बिल्कुल सही कही है, वह यह है कि 2019 हरेक भारतवासी के लिए भारत मात्र की अवधारणा की रक्षा की लड़ाई है।

इसमें शामिल होने वाले का अपना कोई रंग नहीं होगा, कोई जात, कोई पहचान और कोई विचारधारा नहीं होगी-वह सिर्फ भारत में जनतंत्र की रक्षा का सेनानी होगा। इसीलिए कांग्रेस कार्यसमिति ने बिल्कुल सही भारत मात्र के अस्तित्व पर खतरे को पहचाना है। बीस जुलाई को लोक सभा में मोदी पार्टी की सरकार के खिलाफ तेलुगू देशम पार्टी के अविास प्रस्ताव पर बहस में भी 2019 के सारे मुद्दे सामने आए। बहस में राहुल गांधी ने अपने भाषण के प्रारंभ में ही यह सवाल उठाया कि क्या मोदी सरकार की किसी भी बात का कोई मूल्य रह गया है? मोदी ने किनके इशारों पर नोटबंदी की? क्यों जीएसटी देश के सामान्य व्यापारियों के जी का जंजाल बन गया? राहुल गांधी ने साफ कहा कि भारत का हर आदमी जानता है, नरेन्द्र मोदी किन के हित में काम कर रहे हैं। सबने उन कंपनियों के विज्ञापन देखे हैं, जिन्होंने नोटबंदी के बाद मोदी का स्वागत किया था। अंबानी के जियो के विज्ञापन में मोदी होते हैं। उन्होंने राफेल लड़ाकू विमान की खरीद में अनिल अंबानी को सीधे पैंतालीस हजार करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हुए रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन से सदन में और बाहर भी लगातार असत्य बोलने के लिए बाध्य किया। राहुल गांधी ने अमित शाह के पुत्र का जब नाम लिया, तो सारे भाजपाई सांसद जिस प्रकार खड़े हो गए उससे तो यह लगा कि आगे संसद में माल्या, नीरव मोदी जैसों का भी नामोच्चार निषिद्ध हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा-प्रधानमंत्री चौकीदार नहीं है, भागीदार हैं। इन्होंने भारत के सबसे बड़े पूंजीपतियों का अढ़ाई लाख करोड़ रुपये माफ किया, लेकिन किसान का मामूली कर्ज भी माफ नहीं करेंगे। आज इनके चेहरे पर घबड़ाहट है। ये मेरी से नजर से नजर नहीं मिला सकते हैं। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मेरे भाषण का वे पंद्रह मिनट भी सामना नहीं कर पाएंगे। बीस जुलाई को वास्तव में भी वही हुआ। स्पीकर सुमित्रा महाजन ने उनके भाषण और उसकी भाषा में काट-छांट की कोशिश की। वह चाहती थीं कि राहुल गांधी अपने भाषण के प्रवाह को रोक कर बीच-बीच में दूसरों को बोलने दें। पूरा शासक पक्ष आपे के बाहर हो गया था । एक बार तो उनके भाषण के बीच में ही सदन को स्थगित कर दिया गया।

राहुल गांधी ने महिलाओं की असुरक्षा का सवाल उठाया और लिंचिंग की तरह के जघन्य कृत्यों पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को उनके प्रति मौन स्वीकृति कहा। राहुल गांधी ने जो सबसे बड़ी बात कही वह यह थी कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह हम सबसे दूसरी धातु के लोग हैं। ये सत्ता के बिना जी नहीं सकते। ये जानते हैं कि जिस दिन ये सत्ता खो देंगे, इनके खिलाफ ढेर सारी कार्रवाइयां शुरू हो जाएंगी। राहुल गांधी के जवाब में इस दिन नरेन्द्र मोदी खिसियाए लग रह थे। राहुल गांधी अपने भाषण के अंत में नफरत की राजनीति का एक प्रति-आख्यान रचते हुए मोदी से गले मिले थे। मोदी ने राहुल के उस आलिंगन के प्रति खीझ उतारने में ही डेढ़ घंटा समय गंवा दिया। सारे अखबारों ने नोट किया कि मोदी क्या बोले, वह किसी को समझ में नहीं आया, वे राहुल की झप्पी के असर से मुक्ति में ही डूबे रह गए। बहरहाल, 20 जुलाई के बाद से ही 2019 की लड़ाई का बिगुल फुंक गया है। कांग्रेस कार्यसमिति ने भी सभी विपक्षी दलों के सामने इस लड़ाई की दिशा बांध दी है। बाकी दल भी जल्द ही 2019 के बरक्स अपनी रणनीति को तय करने के लिए बैठकें करेंगे।

तेलुगू देशम, शिव सेना और टीएमसी जैसे दलों ने नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जनता की गोलबंदी का आह्वान करना भी शुरू कर दिया है। इतना साफ है कि 2019 के चुनाव में मोदी-आरएसएस को परास्त करने के परिप्रेक्ष्य को भूल कर कोई भी चुनावी रणनीति बेकार है। जो पार्टी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मोदी-आरएसएस की मदद करेगी, वह वास्तव में अपनी आत्महत्या का नोट लिखेगी। मोदी का सत्ता में लौटना जनतंत्र का अंत और सत्ता में भागीदारी के अन्य सभी दावेदारों का भी अंत होगा। उनको परास्त करने से ही समाज में समानता, न्याय, स्वतंत्रता, भाईचारे व समाजवाद के लिए भी संघर्ष का रास्ता प्रशस्त होगा।

नदी सुरक्षित रखकर बांटा जाये जल

सरकार द्वारा आखिरकार कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दिए जाने के बाद कावेरी को लेकर हो रहा मूर्खतापूर्ण कोलाहल अब शांत हो चुका है। इसलिए अब इस मुद्दे पर ठहर कर विचार करना उचित होगा। इस मुद्दे का इतिहास देखते हुए अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि प्राधिकरण का फैसला आने के बाद तमिलनाडु और कर्नाटक का झगड़ा फिर जोर पकड़ेगा क्योंकि दोनों राज्य किसी समझौते के बजाय अपनी अस्मितामूलक राजनीति को बचाए रखने की कोशिश ज्यादा करते हैं। कावेरी विवाद लगभग एक सदी पुराना है। 1924 में मैसूर और मद्रास में इसको लेकर एक समझौता हुआ जो 50 सालों तक किसी तरह चला। 1974 में 50 साल पूरे हो जाने के काफी सालों बाद 1990 में दोनों राज्यों में नदी के पानी के बंटवारे के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक ट्रिब्यूनल बना। ट्रिब्यूनल के फैसले को कर्नाटक ने नहीं माना और फैसले के खिलाफ एक अध्यादेश पारित कर दिया जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। दोनों राज्यों में हिंसात्मक विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। यह सिलसिला चलता रहा। ट्रिब्यूनल सुनवाई करता रहा, कावेरी नदी प्राधिकरण बना, कावेरी निगरानी समिति बनी। लेकिन यह झगड़ा चलता रहा और कोई मान्य समझौता कभी हो नहीं पाया। इस सबके बीच कावेरी नदी की हालत खराब होती रही। किसी ने इसके महत्त्व का विषय नहीं समझा। आज नदी और इससे जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र की हालत बदतर हो चुकी है। कर्नाटक में कुर्ग के पहाड़ों से इसका उद्गम होता है। इस पहाड़ी इलाके में 19वीं शताब्दी में कॉफी की खेती शुरू हुई। कॉफी को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। सबके बावजूद काफी सालों तक इस इलाके की पारिस्थितिकी काफी हद तक बची रही। लेकिन 20वीं सदी के अंतिम दशकों से पारिस्थितिकी बदलती चली गई। नियंतण्र बाजार में कॉफी की मांग से इस इलाके में खेती फैलाने के लिए वनों की कटाई शुरू हो गई। एक अध्ययन के अनुसार 1977-1997 के बीच इलाके के वन क्षेत्रों में 28 प्रतिशत गिरावट आई। वन क्षेत्र 2566 वर्ग किमी. से घटकर 1841 वर्ग किमी. रह गया. परिणामस्वरूप वष में कमी आती गई। पिछले 40 सालों के दौरान इलाके में बारिश का मौसम मात्र 14 दिनों का होकर रह गया है। नदी को पानी मिलना कम हो गया। भूजल काफी नीचे चला गया है। हाल के वर्षो में हाई वोल्टेज बिजली के तार ले जाने के लिए इलाके में बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं। कावेरी की सहायक नदियों पर जैसे-जैसे बांध बनते गए कर्नाटक में गन्ना, केले जैसे नकदी और पानी की खपत वाली खेती बढ़ती गई। इससे न सिर्फ जलदोहन हुआ बल्कि अत्यधिक रासायनिक खादों के प्रयोग से जल बेहद प्रदूषित भी हुआ। नदी के किनारे पानी की खपत करने वाले उद्योग भी शुरू हुए। चीनी मिल और अन्य छोटे-बड़े उद्योगों का कचरा और दूषित पानी नदी में गिराया जाने लगा। मैसूर और आसपास के इलाकों का पानी जहरीला होता जा रहा है। कर्नाटक में अंधाधुंध शहरीकरण ने कावेरी और उसकी सहायक नदियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। कावेरी की लगभग सारी सहायक नदियां सीवेज के पानी से गंदी हो चुकी हैं। बड़ा नाला ही बन गई हैं। तमिलनाडु पीड़ित होने का रोना रोते रहता है, लेकिन उसने भी नदी के पानी को बचाने की कोई कोशिश नहीं की। तिरु ची, जो धान उत्पादन का गढ़ था, के किसान आर्थिक बदहाली के कारण केला और गन्ना जैसे नकदी फसलों की खेती कर रहे हैं। संकट चौतरफा है। खेती, उद्योग, सीवेज, वनों की कमी, कम वष, सूखा, भूजल व पीने के पानी की कमी और उसका दूषित होते जाना, छोटी नदियों का सूखना, कावेरी नदी का जलस्तर घटते जाना। समझ सकते हैं कि नदी और उससे जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र पर कितना और कैसा खतरा है। ऐसे में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को केंद्र ने सिर्फ पानी के बंटवारे को लेकर एक व्यवस्था बनाने और उसे लागू कराने के लिए ही बनाया है। सिर्फ पानी का बंटवारा कर देना ही इस समस्या का समाधान नहीं है। आगे चल कर जल संकट और गहराता जाएगा और झगड़ा ज्यों का त्यों बना रहेगा। राज्य सरकारों, किसान संगठनों, सिविल सोसाइटी, स्थानीय शहरी विकास निकायों, ग्रामीण निकायों, पर्यावरणविद् और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को इस मामले में एक साथ मिलकर स्थायी समाधान की दिशा में काम करने की जरूरत है। अगर हम नदी और पानी को वाकई बचाना चाहते हैं, तो बचा सकते हैं। कर्नाटक और तमिलनाडु के लोगों को सोचना होगा कि अगर नदी ही नहीं बची तो पानी कहां से आएगा? वैसे इस दिशा में सोचने की जरूरत तो पूरे देश को है।

चेतावनी देती प्रकृति का प्रतिशोध

पिछले कुछ समय की पर्यावरणीय घटनाएं साफ बता रही हैं कि बड़ी चेतावनी आ चुकी है। इस बार पहले हमें बढ़ी गर्मी ने मारा, फिर तूफानों की चपेट में दम निकला और अब बादल फटना और बाढ़ के प्रकोप में फंस हैं। विश्व स्वास्य संगठन की रपट-2016 खुलासा कर चुकी है कि हवा बदल रही है। हर पल ली जाने वाली सांस ही हमें बड़ी मुश्किल में डालने वाली है। विश्व स्वास्य संगठन ने 108 देशों के 4300 शहरों के अध्ययन में पाया कि शहर ही बिगड़ती हवा के पहले निशाने हैं क्योंकि अनियोजित शहरीकरण और उद्योगीकरण ही प्रकृति के खिलाफ मनुष्य का पहला और बड़ा कदम रहा है। मतलब जीवन को सारी सुविधाओं से लैस करना ही दुनिया का लक्ष्य बन गया। यह सिलसिला ऐसा बना कि कोई भी देश हो या शहर या गांव, इससे वंचित नहीं रहना चाहता। विज्ञान की खोजें और उद्योग इस तरफ एक साथ हो गए और एक दूसरे के पूरक भी बने। इतना ही नहीं इसी दौर में वर्चस्व बनाए रखने के लिए अस्त्र शस्त्रों का भी निर्माण हुआ तो न्यूक्लियर शक्तियों का प्रदर्शन भी। फिर कुछ देशों का बड़ा व्यापार भी बना देखते ही देखते दुनिया का व्यवहार और प्रवृत्ति एक उस मशीन की तरह बन गई जिसमें न संवेदनाएं होती हैं, और न ही कोई नियंत्रण। इस प्रवृत्ति ने प्रकृति को भी इसी सांचे में ढालने की कोशिश शुरू की और उसको अपने सापेक्ष ढालने की।

मनुष्य ने मान लिया कि प्रकृति मूक है, कुछ नहीं बोलेगी। अब जब विनाशी विकास के कदम ठहरने का नाम नहीं ले रहे थे, तो प्रकृति ने मनुष्य के लिए हवा को बदलने का फैसला कर लिया। दुनिया का कोई ऐसा कोना और आदमी नहीं बचा जिस पर वायु प्रदूषण ने अपनी पैठ ना बना ली हो। विश्व स्वास्य संगठन के अनुसार 90 फीसदी लोग वायु प्रदूषण के घेरे में हैं। लगभग 70 लाख लोग प्रति वर्ष दुनिया में इसके कारण जीवन खो देते हैं। अपने देश के तो कहने क्या! दुनिया के शीर्ष 20 वायु प्रदूषित शहरों में 14 अपने ही देश के हैं। इनमें भी वाराणसी, कानपुर, आगरा अकेले उत्तर प्रदेश में हैं। प्रदूषित हवा ही नहीं बल्कि हवाई तूफानों के बवंडर बड़ी-बड़ी घटनाओं के कारण बन रहे हैं। बार-बार अप्रत्याशित इन तूफानों के कारणों को भी जान-समझ लेने का समय है। अचानक बवंडरों की बाढ़ प्रकृति की उस पीड़ा का ही हिस्सा है, जिसे वह सहन नहीं कर पा रही। अति तापमान की वृद्धि का कारण हमारी नासमझी का है। देश-दुनिया का कोई कोना नहीं बचा है, जहां सुविधाओं के लिए होड़ न हो। यह सब धरती के तापक्रम को अप्रत्याशित रूप से बढ़ा रहे हैं। फिर इनके साथ वातावरण में बढ़ता प्रदूषण जिसकी मात्रा बढ़ते तापक्रम का साथ देती है। इसके बढ़ते ही वायुमण्डल में शून्यता आ जाती है। इस रिक्तता को भरने के लिए हवाएं चलती हैं। जितना तेज तापक्रम अंतर और रिक्तता, उतना बड़ा बवंडर। मतलब आज के इस बवंडर के दोषी हम खुद ही हैं। प्रकृति तो अहसास दिला रही है कि हम सीमाओं को लांघ रहे है। ये बवंडर अपने देश ही नहीं बल्कि दुनिया में नई तरह की आकस्मिक आपदा के रूप में हमारे सामने हैं। पूर्वी अफ्रीका में अल नीनो, अमेरिका में हरीकेन और हाल ही में कैलिफोर्निया में आए बर्फीले तूफान ने बड़ा कहर ढाया। मिडिल ईस्ट और साउथ यूरोप में लूसीफर बवंडर जलवायु परिवर्तन के कारण आई बड़ी लू की ही देन थी। हवा ही नहीं, जीवन का एक और बड़ा अमूल्य साधन पानी भी संकटग्रस्त है। केपटाउन की कहानी वहीं तक सीमित नहीं रहने वाली। दुनिया में दूसरी बड़ी घटना की शुरुआत का संदेश है। अपने ही देश में 21 शहर-गुरुग्राम, कानपुर, शिमला, जमशेदपुर, आसनसोल, अमरावती, कोच्चि, सोलापुर, मुंबई, धनबाद, विशाखापट्टनम, फरीदाबाद, दिल्ली, बेंगलुरू, मेरठ जीरो डे पर पहुंचने वाले हैं। शिमला पानी के संकट में है और यह भी विडंबना ही है यही राज्य अपनी नदियों से दिल्ली को बिजली-पानी देता है। वहीं दूसरी तरफ, यहां के ही मुख्यमंत्री शिमला में पानी के संकट के लिए दिल्ली में गुहार लगाते रहे। मतलब नलकों में पानी की जगह हवा और अब राशन की दुकानों में अनाजों के साथ पानी के भी वितरण की व्यवस्था। एक और पहलू देखिए। मॉनसून जोरों में आया भी नहीं कि उत्तराखंड व हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं जोरों पर हैं, जिससे जान-माल की बड़ी क्षति हुई है।सवाल है कि क्या विकास की परिभाषा में बड़े सुधार की आवश्यकता है कि नहीं। जीवन बेहतर करने के लिए हमने तमाम तामझाम इकट्ठे किए वे ही दूसरे रूप में जीवन को नष्ट करने पर उतारू हों तो इसे विनाशी विकास ही तो कहेंगे। अब विकास को प्रकृति को जोड़कर देखने की कोशिशों की शुरुआत करने का समय है।

लाभप्रद होगा पेट्रोल-डीजल का वायदा कारोबार !

इक्कीस जुलाई को देश में पेट्रोल-डीजल के वायदा कारोबार के लिए पेट्रोल पंप मालिकों तथा पेट्रोल-डीजल के उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज (आईसीईएक्स) द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस जागरूकता कार्यक्रम में यह बताया जा रहा है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हर दिन होने वाले बदलाव से निपटने के लिए वायदा एक बेहतर विकल्प है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय पहले ही आईसीईएक्स को डीजल-पेट्रोल में वायदा कारोबार शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे चुका है। अब शीघ्र ही भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी के बाद अगस्त, 2018 से पेट्रोल और डीजल के वायदा कारोबार की संभावनाएं बताई जा रही हैं। इससे देश को करोड़ों लोग पेट्रोल-डीजल की कीमतों में हर दिन होने वाली घट-बढ़ की परेशानियों से बच सकेंगे। यह निर्धारित किया गया है कि पेट्रोल और डीजल वायदा की कीमत भारतीय रुपये में होगी और बेंचमार्क कीमत भी भारतीय कीमतों में होगी। आम आदमी की भाषा में वायदा कारोबार का मतलब ऐसे वित्तीय अनुबंध से है, जिनके तहत अग्रिम तिथि और पूर्व निर्धारित मूल्य पर क्रेता जिंस का सौदा कर सकते हैं, और विक्रेता अपना सामान बेच सकते हैं। उदाहरण के लिए आप आज की दर पर किसी निश्चित मात्रा में पेट्रोल या डीजल के लिए सौदा कर सकते हैं, जिसकी डिलीवरी एक माह बाद होने वाली है। यह सौदा मामूली मार्जिन मनी रख कर किया जा सकता है, और डिलीवरी के समय इसका भुगतान किया जा सकता है। निश्चित रूप से पेट्रोल-डीजल के वायदा कारोबार से दिन-प्रतिदिन हो रही पेट्रोल-डीजल की घट-बढ़ और उसकी हानियों से बचा जा सकेगा। लेकिन सरकार के द्वारा बढ़ती हुई पेट्रोल-डीजल की कीमतों से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए रणनीतिक रूप से कदम उठाने होंगे। भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में मौजूदा बढ़े हुए स्तर से होने वाली मुश्किलों के मद्देनजर एक ओर तेल कीमतों पर उपयुक्त नियंतग्रतथा दूसरी ओर तेल के अन्य विकल्पों की रणनीति पर आगे बढ़ना होगा।

सस्ते कच्चे तेल के मोल-भाव के लिए भारत ने पिछले माह जून, 2018 में एक प्रभावी कदम आगे बढ़ाया है। दुनिया के तीन में से दो सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश चीन और भारत ने हाथ मिलाकर तेल उत्पादक देशों पर कच्चे तेल की कीमत वाजिब किए जाने का दबाव बनाने हेतु संयुक्त रणनीति को अंतिम रूप दिया है। उल्लेखनीय है कि चीन और भारत ने इस संयुक्त रणनीति के तहत सबसे पहले उपभोक्ता देश संगठित रूप से तेल उत्पादक देशों से अधिक मोल-भाव कर सकेंगे। हम आशा करें कि देश को पेट्रोल और डीजल की महंगाई से बचाने के लिए सरकार अपना ध्यान ऊर्जा नीति को नये से तैयार करने पर केंद्रित करेगी ताकि मौजूदा हालात के लिहाज से बेहतरीन ऊर्जा नीति तैयार की जा सके और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से होने वाली आर्थिक मुश्किलों को कम किया जा सके। चूंकि देश तेजी से विकास कर रहा है, और 2030 तक आने वाले वर्षो के दौरान देश की ऊर्जा संबंधी मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी। इस अवधि में यह मांग दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में तेज ओपेक संगठन में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने का जो दबाव बनाया वह सफल और सार्थक रहा। यदि चीन-भारत अपने गठजोड़ का विस्तार करते हुए इसमें दो और बड़े तेल उपभोक्ता दक्षिण कोरिया और जापान को भी भागीदार बना लें तो दुनिया के ये चार बड़े तेल होगी। कच्चे तेल के आयात पर इसकी निर्भरता में भी इजाफा होगा। ऐसे में आवश्यकता इस बात की होगी कि सरकार एक एकीकृत ऊर्जा नीति तैयार करे। सरकार द्वारा बिजली से चलने वाले वाहनों पर काफी जोर देना होगा। इलेक्ट्रिक कारों को टैक्स कम करके बढ़ावा देना होगा। केंद्र सरकार के द्वारा जून, 2018 में नीति आयोग के द्वारा दिए गए उस महत्त्वपूर्ण सुझाव पर गौर किया जाना होगा जिसमें कहा गया है कि राज्य परिवहन निगमों को लक्ष्य दिया जाना होगा कि वे अपने परिवहन बेड़े में एक निश्चित प्रतिशत में इलेक्ट्रिक वाहन शामिल करें। सरकार के द्वारा इलेक्ट्रिक कार और गैस से संचालित होने वाले वाहनों को प्रोत्साहन देना होगा।

इसके साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सार्वजनिक परिवहन सुविधा को सरल और कारगर बनाया जाना होगा। यह भी उपयुक्त होगा कि तेल की कीमतों में राहत देने के लिए पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत 28 फीसदी की श्रेणी के दायरे में लाया जाए। इसके साथ-साथ राज्य सरकारों को भी एक न्यूनतम दर पर वैट लगाने की अनुमति दी जाए ताकि राज्य सरकारों की आमदनी में एकदम कमी न आए और लोगों को भी कम दर पर पेट्रोल और डीजल प्राप्त हो सके। सरकार द्वारा तेल बाजार में समय और मूल्य आधारित नीतिगत हस्तक्षेप के मद्देनजर तेल कीमतों को एक मानक स्तर से नीचे रखकर अर्थव्यवस्था में वस्तुओं एवं सेवाओं की खपत को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। हम आशा करें कि भारत तेल कीमतों पर नियंतण्रऔर सस्ते कच्चे तेल के मोल-भाव के लिए चीन के साथ-साथ दक्षिण कोरिया और जापान का गठजोड़ बनाने की डगर पर आगे बढ़ेगा और यह गठजोड़ कच्चे तेल की कुछ कीमत घटाने में कामयाब होगा। आशा करें कि 4 नवम्बर के बाद ईरान से कच्चे तेल की आपूत्तर्ि बंद होने के बाद भारत कच्चे तेल की उपयुक्त कीमत पर आपूत्तर्ि करने वाले नये मित्र देश खोजने में अवश्य सफल होगा। साथ ही, पेट्रोल और डीजल के उपयोग में कमी लाने के लिए सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ेगा। आशा करें कि पेट्रोल और डीजल के वायदा कारोबार के लिए इंडियन कमोडिटी एक्सचेंज द्वारा जो नीति बनाई गई है, उसके तहत भारत में अगस्त, 2018 से इनका वायदा कारोबार आकार ग्रहण करेगा तथा जिससे आम लोगों को पेट्रोल-डीजल की दिन-प्रतिदिन की घट-बढ़ की मुश्किल से राहत मिल सकेगी। इन सभी रणनीतिक प्रयासों से अर्थव्यवस्था कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के खतरों का सामना कर सकेगी। आम आदमी को राहत मिलेगी। अर्थव्यवस्था विकास की डगर पर आगे बढ़ती रहेगी।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम वासियों ने खुले में शौच ना जाने की ली शपथ

रायबरेली। जिले के बछरावां विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत समोधा में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य खुले में शौंच ना जाने की अपील की नीरज कुमार चौरसिया ने बताया खुले में शौच जाने से एक तो कई प्रकार की बीमारियां होती है और महिलाओं को खुले में शौच जाने मैं बहुत ही परेशानियां होती है

इसलिए समस्त ग्राम वासियों से अपील की जाती है की प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन के तहत खुले में शौच मुक्त करना उनका सपना है जब इसमें प्रदेश के वा देश के समस्त नागरिक सहयोग करेंगे तभी यह स्वच्छ भारत मिशन का सपना पूरा होगा अगर जब लोग इस मिशन के तहत सहयोग नहीं करेंगे

तब तक स्वच्छ भारत या स्वच्छता की मिसाल नहीं पूरा हो सकती है इसलिए ग्राम के ग्राम प्रधान राजेश सिंह महेंद्र अवस्थी खंड प्रेरक सिद्धार्थ नाथ शुक्ला सफाई कर्मी माधुरी आशाबहू आंगनबाड़ी कार्यकत्री कोटेदार एवं समस्त ग्रामवासी ने यह शपथ लिया कि आज के बाद हम समस्त ग्रामवासी खुले में शौच नहीं जाएंगे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा कातिल पति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इंदिरानगर थाना पुलिस ने महीनों से फरार एक इनामी हत्यारे पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पत्नी की हत्या और पुलिस को गुहराह करने का आरोप है। उसके कब्जे से पुलिस ने अवैध तमंचा भी बरामद किया है।

बता दें कि इसी वर्ष मार्च में इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में आरोपी दिनेश ने अवैध संबंधों के शक में पत्नी सविता की हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए उसे फांसी स्वरूप दे दिया, ताकि पुलिस को यह शक न हो कि आरोपी पति ने ही उसकी हत्या की है।

इस पर इंदिरानगर थाना पुलिस मामले को आत्महत्या ही मान रही थी। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हो गया कि महिला की मौत फांसी से नहीं बल्कि उसका गला दबाकर की गई है। इस पर इंदिरानगर पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया और मामले की जांच में जुट गई।

मामले की गहनता से जांच करने पर पुलिस को पता चला कि महिला की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके पति दिनेश ने ही है। मामले को नया रंग देने और पुलिस को गुहराह करने के लिए नाटकीय रुप दिया है। आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई, लेकिन फरार आरोपी पुलिस के हाथ नही लग पा रहा था।

पुलिस का कहना है कि मुखबिर ने आरोपी की सटीक जानकारी दी थी। इस पर स्थानीय थाना के खुर्रम नगर चौराहे से आरोपी दिनेश को दबोच लिया गया। उसकी तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पुलिस ने 315 बोर का एक तमंचा बरामद किया है। आरोपी पर एक हजार रुपये इनाम घोषित किया गया था।फिलहाल, पुलिस ने आरोपी दिनेश को पत्नी सविता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने व्यक्तिगत और आडिट की अनिवार्यता के नियम के दायरे में न आने वाले आयकरदाताओं के लिए आकलन वर्ष 2018–19 का आयकर रिटर्न दाखिल करने की तारीख एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त, 2018 कर दी है। नए आयकर रिटर्न फार्म को अप्रैल के शुरू में अधिसूचित किया गया था। ऐसे करदाताओं जिनके खातों का आडिट नहीं होना है कि उन्हें अपना ई–आयकर रिटर्न 31 जुलाई तक भरना था। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, ''इस मामले पर विचार के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस श्रेणी के करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त कर दी है।

केन्द्र में मजबूत नहीं, मजबूर सरकार चाहिए : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि तीन राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में सम्मानजनक सीटें मिलने के बाद ही कांग्रेस समेत अन्य दलों के साथ गठबंधन किया जायेगा। सुश्री मायावती ने मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमारी पार्टी अपने बूते पर चुनाव लडने में समर्थ है। कांग्रेस का तभी समर्थन करेंगे, जब वे हमें इन राज्यों में सम्मानजनक सीटें देने को तैयार होंगे। राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनावों में बसपा अपने बलबूते पर चुनाव लडने को तैयार है। वर्ष 2019 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एकजुटता की जरूरत बताते हुए सुश्री मायावती ने कहा कि केंद्र में मजबूत नहीं, मजबूर सरकार होनी चाहिए। 2019 लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष लामबंद होकर भाजपा को परास्त करना चाहता है। इस बीच गठबंधन की इस राह में हर दिन नए रोड़े आते जा रहे हैं। बसपा अध्यक्ष ने केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार चला रहे श्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज मान्यवर कांशीराम की यह बात बड़ी सटीक बैठती है कि केंद्र में मजबूत नहीं, मजबूर सरकार होनी चाहिए। गठबंधन की सरकार पर ज्यादा दबाव होता है और जिम्मेदारी भी अधिक होती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि नोटबंदी से देश में आर्थिक इमरजेन्सी जैसे हालात

हो गये थे। वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) की नई कर व्यवस्था लागू करने जैसे स्वंकपदह... अपरिपक्व फैसले लिये गये। श्मॉब लिनचिंगच्य से देश में आये दिन निर्दोष लोगों की हत्याये हो रही है। देश में लोकतंत्र एवं कानून के राज को अब भीड़तंत्र में बदलकर लोगों के जान–माल को क्षति पहुंच रही है। बसपा अध्यक्ष ने देश में मॉब लिंचिंग की बढ़ती घटनाओं के लिए सीधे तौर पर भाजपा के साथ ही उनके कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने राजस्थान के अलवर की घटना की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार इस पर कोई कार्रवाई नहीं करेगी। भाजपा की अतिवादिता की वजह से देश की धार्मिक आजादी खतरे में पड़ गई है और बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं। सुश्री मायावती ने न्यायालय से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि मौजूदा केन्द्र सरकार तथा भाजपा शासित राज्य सरकारों को देश के इतिहास में हमेशा उनके काले कारनामों के लिये याद किया जायेगा। देश के विशेषकर दलितों, आदिवासियों तथा अन्य पिछड़े वर्गो के साथ भेदभाव हो रहा है। इस बात के आँकडे गवाह हैं कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 31 प्रतिशत ही वोट मिल पाया। भाजपा लोगों की पहली पसन्द की पार्टी नहीं है। सुश्री मायावती ने कहा कि पहले श्गोरक्षाच्य के नाम पर भीड ने जब जहाँ मन चाहा वहाँ पर जमा होकर तोड़–फोड़ हिंसा तथा निर्मम हत्यायें की। अब ताजा उदाहरण राजस्थान का अलवर हत्याकाण्ड है। बसपा इसकी कड़े शब्दों में निन्दा भी करती है। इसके साथ ही, पार्टी का यह भी कहना है कि यदि केन्द्र तथा राजस्थान की भाजपा सरकार इस मामले में दोषियों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं करती है तो न्यायालय को इस मामले में खुद ही संज्ञान लेकर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करने के अपने स़ख्त आदेश देने चाहिये।

मां की आंखों के सामने हुआ बेटी से रेप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में दिनदहाड़े चलती बोलेरो में तमंचे के बल पर मां के सामने ही उसकी नाबालिग बेटी से गैंगरेप करने का मामला सामने आया है. गैंगरेप के बाद आरोपी मां–बेटी को झाड़ियों में फेंककर फरार हो गए. राहगीरों की मदद से पीड़िता की मां की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. वहीं आरोपियों व बोलेरो की तलाश में जुट गई है. मामला जिले के गुरसहायगंज क्षेत्र में प्रतापपुर गांव के पास है. बताते हैं कि ठठिया थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव निवासी महिला का बेटा रेप के मामले में अनौगी जेल में बंद है.

महिला और उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी भाई से मिलने जेल जा रही थीं. आरोप है कि गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के अनौगी जेल मोड़ पर एक सफेद बोलेरो कार सवार चार लोगों ने मां व बेटी को लिफ्ट देने के बहाने गाड़ी में बैठा लिया. आरोप है।

पुलिस के हत्थे चढ़े तीन वाहन लुटेरे

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। महानगर थाना पुलिस ने लुटेरे गैंग के तीन शातिर वाहन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 13 लूट की बाइक बरामद की और 50 से अधिक चोरी के वाहनों का सुराग मिला है।

इनके निशाने पर बाइक, पिकअप और बोलेरो होती थी। तीनों आरोपी राजधानी के आसपास के जिलों में सक्रिय थे और लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। बहरहाल, पुलिस टीम आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी में है।

बता दें कि पकड़े गए बदमाशों की पहचान लखनऊ जनपद के थाना इटौंजा निवासी विपिन कुमार, गुडम्बा निवासी संतोष कुमार और निकबुल के रूप में हुई है। तीनों आरोपी शातिर किस्म के हैं। राजधानी और इसके आसपास के जिलों में लगातार बाइक लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 13 लूट की बाइक बरामद की है जिनमें से पांच बाइक की डीसीआरबी करायी गयी है। इसमें सभी बाइक चोरी की पायी गई है।

एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि आरोपियों के निशाने पर दो पाहिया वाहनों के अलावा चार पहिया वाहन भी होते थे। दो पहिया वाहनों का नंबर प्लेट बदलकर राजधानी और इसके आसपास के जिलों में बेचते थे। इसके अलावा चार पहिया वाहनों की बिहार आदि प्रदेशों में बिक्री करते थे। तीनों आरोपियों को तीन लूट की बाइकों के साथ पकड़ा गया। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर पेपरमिल स्थित चांद मस्जिद के पास से 10 अन्य मोटरसाइकिलें बरामद की हैं

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि राजधानी और आसपास के जिलों में वाहन चोरी की घटना को अंजाम देते थे। अभी तक 50 से अधिक वाहनों को ठिकाने लगा चुके हैं। इनमें दो और चार पाहिया वाहन शामिल हैं।

पुलिस से बचने के लिए चोरी के बाद गाड़ियों का नंबर प्लेट उतारकर दूसरा नंबर प्लेट लगाकर धड़ल्ले से घूमते फिरते और मौके पाकर साथियों की मदद से बोलेरो और पिकअप से बिहार पहुंचाते थे। वहीं, बाइक की आसपास के जिलों में बिक्री करते थे। बहरहाल, पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सरकार ने दिया छह हजार गांवों को तोहफा

14800 करोड़ खर्च कर सरकार करेगी पेयजल की व्यवस्था

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां लोकभवन में कैबिनेट की बैठक में सात अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। योगी सरकार ने उप्र में बुंदेलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र के 6240 गावों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्तिके लिए 14800 करोड़ रुपये की ग्रामों में पेयजल के लिए कन्सलटेन्ट के चयन एवं परियोजना के क्रियान्वयन को मंजूरी प्रदान की है। जिन अन्य प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी है, उनमें वित्तीय वर्ष 2017–18 में चिकित्सा शिक्षा विभाग से अवमुक्त धनराशि का अनुमोदन, मैनपुरी में सैनिक स्कूल के लिए धनराशि व मिर्जापुर में मेडिकल कालेज खोलने के लिए भूमि कृषि विभाग से देने तथा कुम्भ मेला 2019 के चार अखाड़ों को स्थायी निर्माण की मंजूरी दी गयी है।कैबिनेट में एसजीपीजीआई लखनऊ में सेन्टर ऑफ हिपैटोबिलियरी डिजीजेज एवं लिवर ट्रान्सप्लान्ट यूनिट के भवन निर्माण में उच्च विशिष्टियों का अनुमोदन किया गया है, साथ ही उप्र उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 1975 में संशोधन का प्रस्ताव अनुमोदित किया गया है।सरकार के प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में सबसे अहम निर्णय बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र सहित 6240 गांवों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के लिए सरकार पाइपलाइन से स्वच्छ पेयजल मुहैया कराएगी।

- पाइप लाइन से की जाएगी पीने के पानी की आपूर्ति
- 2017-18 में चिकित्सा शिक्षा विभाग से अवमुक्त धनराशि का अनुमोदन
- मिर्जापुर में मेडिकल कालेज के लिए कृषि विभाग देगा जमीन कुम्भ मेला के चार अखाड़ों के स्थायी भवन निर्माण को मंजूरी

इस योजना में बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र के अलावा जापानी इंसेफलाइटिस से प्रभावित गांवों को भी शामिल किया गया है। इन गांवों में आर्सेनिक और फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा होने की वजह से पानी पीने लायक नही रह गया है।

इनमें बुंदेलखण्ड के चित्रकूट, बांदा, झांसी, ललितपुर, जालौन, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, गोरखपुर व बस्ती मंडल के जिलों को लाभ मिलेगा।श्री सिंह ने बताया कि कुम्भ के दौरान संगमनगरी इलाहाबाद में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने के लिए भी सरकार ने चार अखाड़ों को उनकी अपनी जमीनों पर स्थायी भवन निर्माण के लिए 5.19 करोड़ रुपये देने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि पंचदास आहवान अखाड़ा, पंच निर्मोही अखाड़ा, बाघम्भरी अखाड़ा व अग्नि पंथ अखाड़ा परिषद शामिल है। एक अन्य फैसले के तहत कैबिनेट ने एसजीपीजीआई में लीवर ट्रांसप्लांट एवं हिपैटोबिलियरी विभाग के भवन निर्माण के लिए पहले 26.67 करोड़ रुपये का प्रस्ताव लाया गया था, बाद में इसे बढ़ाकर 59.12 करोड़ किया गया था। अब इसकी वास्तविक लागत बढ़कर 67.19 करोड़ हो गयी है। उन्होंने बताया कि मिर्जापुर मेडिकल कॉलेज के लिए कैबिनेट की बैठक में जमीन का इंतजाम किया गया है। मिर्जापुर जिला अस्पताल के पास 10.27 एकड़ जमीन पहले से है लेकिन सरकार के नियमों के मुताबिक मेडिकल कालेज के लिए अपनी 20 एकड़ जमीन होनी चाहिये।

बुंदेलखण्ड, विन्ध्य व पूर्वांचल के जेई व एईएस प्रभावित जिलों के लोगों को मिलेगा लाभ

अब सरकार ने कृषि विभाग से 10 एकड़ जमीन चिकित्सा विभाग को स्थानांनतरित किये जाने को मंजूरी प्रदान की गयी है। स्वास्य मंत्री ने बताया कि योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा नियमावली 1975 में संशोधन कर पाठयक्रम में परिवर्तन की मंजूरी प्रदान की है। पहले न्यायिक सेवा का पाठयक्रम जमींदारी को लेकर था अब इसे राजस्व को केंद्र में मानकर तैयार किया जाएगा। इसके अलावा सरकार ने कैबिनेट की बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के 2017–18 में जारी की गयी 256.15 करोड़ रुपये की स्वीकृतियों व मैनपुरी में सैनिक स्कूल के लिए 10 करोड़ रुपये दिये जाने सम्बंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

अपराधियों पर कहर बनकर बरस रही है नोएडा पुलिस

लखनऊ। गाजियाबाद पुलिस की तरफ से चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान में नोएडा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। नोएडा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो देशी कट्टे और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक चाकू भी बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है।

दरअसल, दनकौर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अलौंदा पुलिया के पास एक बाग में मुजफ्फर, इमरान, और नितिन मिलने वाले हैं। पुलिस को सूचना मिलते ही एक्शन में आ गई और मौके पर पहले से ही पहुंच गई। जब तीनों आरोपी वहां पहुंचे तो पुलिस ने घेर कर उन्हें दबोच लिया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक 315 देशी कट्टा, एक 12 बोर तमंचा, आठ जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

अजयपाल शर्मा के निर्देशन में अपराधियों पर बरस रही पुलिस

दनकौर पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी मुजफ्फर, इमरान पुत्र अतीकुर्रहमान बिलासपुर गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है, जबकि नितिन पुत्र देवेन्द्र गढ़ी आजमपुर गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है। मालूम हो कि मुजफ्फर और इमरान दोनों सगे भाई हैं और दोनों मिलकर चोरी और लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते थे।

नोएडा पुलिस लगातार जिले में अपराध पर लगाम लगाने के लिए अभियान चला रही है। जब से नोएडा की कमान डॉ. अजयपाल शर्मा ने संभाली है, तब से जिले में अपराधी खुद सरेंडर कर रहे हैं और और अपराध न करने की कसम खा रहे हैं। नोएडा एसएसपी अजयपाल के नेतृत्व में लगातार अपराधियों को ढेर किया जा रहा है।

नीरव, चोकसी पर भगोड़ा कानून लागू

मुंबई।मनी लांड्रिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अर्जी पर हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून के तहत समन देकर क्रमश रू 25 सितम्बर और 26 सितम्बर को पेश होने को कहा है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी।ईडी की अर्जी में इन दोनों के खिलाफ नए भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून के तहत दो अरब डालर के पीएनबी धोखाधड़ी मामले में दोनों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया गया है। इस कानून के तहत सरकार को देश की कानूनी एजेंसियों से बचने के लिए विदेश भागे आर्थिक अपराधियों की सम्पत्ति जब्त कर उसे बेचने का अधिकार है। एजेंसी ने हाल ही में अदालत में अर्जी लगाकर इन दोनों हीरा कारोबारियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उसकी 3,500 करोड़ रपए की संपत्ति जब्त करने का आदेश देने का आग्रह किया था।अधिकारियों के अनुसार अदालत ने नीरव मोदी को 25 सितम्बर को और मेहुल चोकसी को अगले दिन हाजिर होने का सम्मन जारी किया है।

आम्रपाली दुबे, निरहुआ और रवि किशन लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव 2019

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा (Bhojpuri Cineme) से बड़ी खबर आ रही है. 2019 के लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं. भोजपुरी फिल्मों के कई सुपरस्टार लोकसभा चुनाव (Election 2019) में किस्मत आजमाते नजर आ सकते हैं. भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार आम्रपाली दुबे खेसारी लाल यादव, दिनेश लाल यादव निरहुआ, रवि किशन और पवन सिंह के लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर तो कई तरह की खबरें आनी भी शुरू हो गई हैं. वैसे भी भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन बीजेपी में शामिल हो चुके हैं जबकि भोजपुरी सिंगर कल्पना पटवारी ने भी बीजेपी का दामन कुछ दिन पहले थाम लिया है. इस तरह भोजपुरी सिनेमा के अधिकतर दिग्गज 2019 में चुनावी दंगल में नजर आ सकते हैं.

भोजपुरी के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ पहले ही समाजवादी पार्टी में शामिल हो चुके हैं, और वे साइकिल पर सवार हैं. अगर सूत्रों की बातों पर यकीन करें तो वे आजमगढ़ से

चुनाव लड़ सकते हैं. हालांकि इस बारे में कुछ कन्फर्म नहीं हुआ है, लेकिन ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं. यही नहीं, सूत्र तो यहां तक बता रहे हैं कि आम्रपाली दुबे भी साइकिल से गोरखपुर से लोकसभा में किस्मत आजमा सकती हैं.

वहीं, भोजपुरी के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने लालू प्रसाद यादव की आरजेडी की नाव में सवार होने का फैसला लिया है. खेसारी लाल यादव के बारे में तो पक्के तौर पर कहा जा रहा है कि बिहार के महाराजगंज से चुनाव लड़ेंगे. हालांकि स्टार की तरफ से कोई आधिकारिक वक्तव्य नहीं आया है. उधर, सूत्र बता रहे हैं कि भोजपुरी स्टार पवन सिंह से भी बात चल रही है. वे बीजेपी की टिकट पर बिहार के आरा से चुनाव मैदान में उतर सकते हैं. उधर, रवि किशन तो बीजेपी से उत्तर प्रदेश के जौनपुर से चनाव लड़ेंगे ही. ये जानकारी इन सितारों से जुड़े सूत्रों ने दी है.

अगर इन सुपरस्टार्स को लेकर आ रही ये खबरें सच होती हैं तो उत्तर प्रदेश और बिहार में लोकसभा चुनाव के दौरान जबरदस्त घमासान देखने को मिलेगा क्योंकि सभी पार्टियां इनकी स्टार पावर को कैश कराने की कोशिश करेंगी. वैसे भी जनता में फिल्मी सितारों को लेकर क्रेज बहुत जबरदस्त रहता है.

नई ट्रेफिक व्यवस्था में बिना हेलमेट निकले तो घर पहुंचेगा ई-चालान

लखनऊ। चालान से बचने के लिए व पेट्रोल भरवाने के लिए मजबूरी में हेलमेट लेकर चलने वाले वाहन स्वामियों की अब खैर नहीं है। ऐसे बिगड़ैल वाहन स्वामियों का अब ई–चालान किया जाएगा। मंगलवार को

एमसीआर के एएनपीआर कैमरे में कैद हुआ बिगड़ैल,
एसएसपी ने माडर्न कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण
एमसीआर को निर्देश, रोजाना 100 लोगों को भेजे ई-चालान
एसएसपी ने टोल प्लाजा व राजमार्ग पर कैमरे लगाने के दिये निर्देश
वाहन चोरी पर लगाम के लिए निकाला फार्मूला
हेलमेट शीशे पर टांगकर फर्राटा भर रहे बाइक सवार के घर भेजा ई-चालान

एसएसपी कलानिधि नैथानी ने मार्डन कंट्रोल रूम में मौजूद रहकर एएनपीआर कैमरे (ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रिकोगिनाइजेशन) की मदद से एक ऐसे बाइक सवार का चालान कराया, जिसके बाद हेलमेट तो था लेकिन सिर के बजाए वह उसे टांगे हुए था। एसएसपी ने निर्देश दिया कि रोजाना एएनपीआर कैमरे की मदद से ऐसे 100 वाहन स्वामियों का चालान किया जाए तो हेलमेट लेकर चलने के बाद भी लगाते नहीं हैं। मंगलवार को एसएसपी कलानिधि नैथानी ने मंगलवार सुबह करीब ग्यारह बजे गोमतीनगर स्थित माडर्न कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी ने एमसीआर के कामकाज को देखते हुए राजधानी में चोरी हुए वाहनों के संबंध में डीसीआरबी से

सामंजस्य स्थापित कर चोरी की गाड़ियों पर नजर रखने के लिए दिशा निर्देश दिये। एसएसपी ने कहा कि टोल प्लाजा व राजमार्ग पर एनपीआर कैमरे लगाने के निर्देश दिये हैं, जिससे चोरी की गाड़ियों को टोल प्लाजा पर ही चेकिंग की जा सके।एसएसपी ने बताया कि एनपीआर कैमरे की मदद से किसी भी वाहन के रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट को बड़ी आसानी से देखा जा सकता है। पड़ताल के दौरान ही एसएसपी ने एनपीआर कैमरों को चेक किया तो एक बाइक सवार बिना लगाए गाड़ी चलाते दिखा। उन्होंने टीम को कैमरे की मदद से नम्बर प्लेट नोट करने को कहा। बाइक (यूपी 32 डीपी 6104) नम्बर की मदद से वाहन स्वामी का पता निकाला।उसके बाद ई–चालान घर भेज दिया। वाहन स्वामी नीरज मिश्रा पुत्र मंशा राम मिश्रा निवासी सेक्टर–एच एलडीए कालोनी कानपुर रोड है। एसएसपी ने बताया कि उक्त स्वामी बिना हेलमेट के मेडिकल कालेज की ओर जा रहा था। हेलमेट सिर पर लगाने के बजाए वह शीशे पर टांगे था। घर भेजे गये ई–चालान पर वाहन स्वामी की कैप्चर की फोटो भी संलग्न होगी। एसएसपी का कहना है कि अक्सर देखने को मिलता है कि वाहन स्वामी चेकिंग या चालान से बचने के लिए और नो पेट्रोल नो फ्यूल की मजबूरी के लिए हेलमेट लेकर निकलते हैं।चेकिंग के दौरान या पेट्रोल भरवाते वक्त वे हेलमेट पहनते हैं और फिर आगे चलकर हेलमेट उतारकर टंकी या शीशे पर टांग देते हैं। ऐसे बिगड़ैल वाहन स्वामियों को टारगेट करने की जिम्मेदारी एमसीआर को दी गयी है। निर्देश दिया गया कि वे रोजाना 100 ऐसे बिगड़ैलों का ई–चालान उनके घर भेजे। जबतक सभी टू–व्हीलर स्वामी सिर पर हेलमेट लगाना बंद नहीं करेंगे, पुलिस चालान भेजती रहेगी।

'शहीद स्मृति पार्क' बनाएं सभी नगर निगम : सीएम योगी

लखनऊ। देश की रक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों की याद को ताजा रखने के लिए सभी नगर निगमों में शहीद स्मृति पार्क बनाये जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री श्री योगी ने बृहस्पतिवार को करगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीद स्मृति वाटिका में कारगिल में शहीद सैनिकों की प्रतिमाओं पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने काकोरी कांड व कारगिल युद्ध के शहीदों के परिवारीजनों को सम्मानित करते हुए कहा कि शहीद होने वाले सैनिकों के परिवारीजनों को राज्य सरकार हर सम्भव मदद उपलब्ध कराएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि करगिल विजय दिवस देश के शौर्य, पराक्रम, स्वाभिमान और सम्मान का दिवस है। समाज, प्रदेश और देश की समृद्धि के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए, तभी हम खुशहाल भारत बना सकते हैं।

युद्धकाल के दौरान अदम्य साहस, वीरता और शौर्य का प्रदर्शन करने वाले सैनिकों को विभिन्न प्रकार के वीरता पदक दिए जाते हैं, लेकिन शांतिकाल के दौरान भी आतंकी घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं में भी सैनिक अपनी कर्मठता, शौर्य, पराक्रम तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए देश सेवा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा देते हैं।

इमरान को मिली पाक की 'कप्तानी'

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान के आम चुनावों में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। संसदीय चुनावों के ताजा अनाधिकारिक नतीजों और रूझानों के मुताबिक पीटीआई नेशनल असेंबली की 104 सीटें जीत चुकी है जबकि 14 सीटों पर आगे चल रही है। हालांकि, प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक पार्टियों ने चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगाए हैं।जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) ने 58 सीटों पर जीत हासिल की है और 4 सीटों पर आगे चल रही है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की अगुवाई वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 37 सीटें जीत ली हैं और 6 सीटों पर आगे चल रही है। किसी एक पार्टी को अपने दम पर सरकार बनाने के लिए सीधे तौर पर निर्वाचित सीटों में से कम से कम 137 सीटों की जरूरत होगी। जमात–इस्लामी, जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम–फजल, जमीयत उलेमा–ए–पाकिस्तान और तहरीक–ए–जफरिया जैसी परंपरागत धार्मिक पार्टियों का गठबंधन मुत्ताहिदा मजलिस–ए–अमल और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट आठ–आठ सीटों पर आगे चल रहे हैं।बुधवार को मतदान के बाद शुरू हुई वोटों की गिनती में परिणाम अनुकूल देखकर पीटीआई समर्थकों ने राजनीतिक तौर पर अहम पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में झंडे लहराकर और पार्टी के नारे लगाकर जश्न मनाया। पाकिस्तान चुनाव आयोग ने पहले नतीजे की आधिकारिक घोषणा सुबह चार बजे की। अगले कुछ घंटों में अंतिम परिणाम आने की संभावना है। हालांकि, शुरुआती परिणामों के मुताबिक पीटीआई नेशनल असेंबली में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर रही है।पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 342 सदस्य होते हैं जिनमें से 272 को आम चुनावों में सीधे तौर पर चुना जाता है जबकि शेष 60 सीटें महिलाओं और 10 सीटें धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं। आम चुनावों में पांच फीसदी से ज्यादा वोट पाने वाली पार्टियां इन आरक्षित सीटों पर समानुपातिक प्रतिनिधित्व के हिसाब से अपने प्रतिनिधि भेज सकती हैं। कुल 172 सीटें पाने वाली पार्टी सरकार बना सकती है।

दो प्रमुख पार्टियों (पीएमएल–एन और पीपीपी) ने मतगणना प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कानूनी प्रावधान होने के बाद भी उनके मतदान एजेंटों को गिने हुए वोट सत्यापित करने की इजाजत नहीं दी गई। चार प्रांतों (पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर–पख्तूनख्वा) में विधानसभा चुनाव भी कराए गए थे। प्रांतीय विधानसभाओं के चुनावों के रुझान के मुताबिक, पीटीआई पंजाब की 120 सीटों पर आगे चल रही है जबकि पीएमएल–एन 119 सीटों पर आगे चल रही है। पंजाब विधानसभा में कुल 299 सीटें हैं। सिंध प्रांत में पीपीपी दो–तिहाई बहुमत हासिल करने की दिशा में बढ़ रही है। सिंध विधानसभा की कुल 131 सीटों में से 113 सीटों के लिए उपलब्ध ताजा रूझानों के मुताबिक पीपीपी 72 सीटों पर आगे चल रही है।

भारत से संबंध सुधारना चाहता है पाकिस्तान

इस्लामाबाद (भाषा)। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के प्रमुख इमरान खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहता है। उन्होंने कहा, दोनों पड़ोसियों के बीच आरोप–प्रत्यारोप उपमहाद्वीप के लिए नुकसानदेह है जिसे रोका जाना चाहिए।आम चुनावों में खान की पार्टी को जीत मिलने के बाद 65 वर्षीय नेता ने पहली बार लोगों को संबोधित करते हुए कहा, अगर वह हमारी तरफ एक कदम बढ़ाते हैं तो हम दो कदम बढ़ाएंगे लेकिन कम से कम शुरुआत होने की जरूरत है। नेशनल एसेंबली के चुनावों में उनकी पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है जबकि विपक्षी दलों ने मतगणना में ''खुलेआम' धांधली का दावा किया है। खान ने कहा, दोनों देशों के बीच कश्मीर ''मुख्य' मुद्दा है और वार्ता के माध्यम से इसका समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो क्रिकेट के कारण भारत के बहुत से लोगों को यकीनन जानता हूं। हम दक्षिण पूर्व एशिया में गरीबी संकट का समाधान कर सकते हैं। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों को इसका समाधान करने के लिए वार्ता की मेज पर आना चाहिए। हम भारत के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहते हैं अगर उनका नेतृत्व भी चाहता हो।

अवैध रिफिलिंग मिली तो गैस एजेन्सी पर कार्रवाई होगी

लखनऊ। गैस की अवैध रिफिलिंग, घरेलू गैस सिलेण्डरों के व्यवसायिक प्रयोग पर जिलापूर्ति अधिकारी मो. आमिर खांन ने तल्ख तेवर दिखाए हैं। उन्होंने गैस एजेन्सी के संचालकों के साथ बैठक कर सख्त हिदायत दी है कि अगर अवैध रिफिलिंग या कालाबाजारी में किसी भी एजेन्सी के कर्मचारी की संलिप्ता पायी गयी तो एजेन्सी सीधे तौर पर जिम्मेदार होगी और उस के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

जिलापूर्ति अधिकारी ने एजेन्सी संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित किया है कि बुकिंग के बाद चार दिनों के भीतर उपभोक्ताओं को सिलेण्डर उपलब्ध कराए जाएं। गैस एजेन्सियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि उनके हॉकरों द्वारा बराबर गैस कटिंग, रिफिलिंग की शिकायतें जनसामान्य व समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, यह स्थिति अत्यन्त आपत्तिजनक है। बैठक के दौरान गैस एजेन्सियों द्वारा भरोसा दिलाया गया कि वे नियमानुसार निर्धारित मूल्य एवं मात्रा पर घर–घर गैस सिलेण्डर पहुचाएंगे और किसी भी शिकायत का अवसर नहीं देगें। जिलापूर्ति अधिकारी ने कहा कि लखनऊ महानगर में घरेलू गैस का दुरूपयोग करने वालों पर अभियान चलाकर कठोर कार्यवाही की जा रही है।

आम आदमी व किसान परेशान

लखनऊ। ट्रकों का चक्का जाम अब आम आम आदमी के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। गांव में हरी सब्जियों का व्यापार करने वाले किसानों की जहां उठान को लेकर परेशान है वहीं आढतियों को महंगे दामों पर खरीद करने को मजबूर होना पड़ रहा है। ट्रक हड़ताल के चलते खामियाजा सबसे अधिक आम आदमी को ही उठाना पड़ रहा है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे है और होटलो व ढ़ाबों पर गेहूं का आटा भी समय से नहीं पहुंच रहा। हरी सब्जियों की आपूर्ति करने वाले किसानों की सब्जियों की उठान नहीं हो रही है और जो आढ़ती अपने निजी वाहनों से सब्जियों की उठान के लिए जा रही है वह औने–पौने दामों में ही खरीद रहे है। इससे किसान परेशान है। उधर सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक मात्र फ्लोर मिल से भी गेहूं के आटा का उठान ठप है।

ट्रकों का आना बन्द सब्जी व फल मंडी में नहीं पहुंच रहे ट्रक

लखनऊ । देश भर में चल रही ट्रकों की हड़ताल अब समय बीतने के साथ ही विकराल रूप लेने लगी है, क्योंकि देश के विभिन्न प्रान्तों से 20 जुलशई को चली ट्रक पहुंच चुकी है और अब दूसरी ट्रकों का आना बन्द हो गया है। अकेले सब्जी मंडी में ही प्रतिदिन 30 से 35 ट्रकें आती है इसके अलावा पान्डेयगंज व यहियागंज गल्ला मंडी में भी इतनी ट्रकें आती है। ट्रको के न पहुंचने से माल की कमी होने लगी है, इसको देखते हुए आस–पास के जिले सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी फैजाबाद, उन्नाव लखीमपुर के लिए माल की बुकिंग पूरी तरह से बन्द कर दी गयी है। रेल के जरिए तो माल आ रहा उस पर ढुलाई अधिक पड़ने के कारण व्यापारियों ने माल की कीमत बढ़ा दी है, इसका भी असर बाजारों में देखने को मिला। इस बीच हड़ताल के नाम पर ट्रक चालकों से धनउगाही किये जाने का मामला भी प्रकाश में आया है।

पंजाब के कई ट्रक चालकों ने आरोप लगाया है कि जो ट्रक रास्तों में थे अब उनके पहुंचने पर माल उतारने के लिए ते 500 की रसीद कटायी जा रही है न देने पर चालकों से गाड़ी के कागज छीन लिए जा रहे हैं और लौटाने के लिए दस हजार तक की मांग की जा रही है।नासिक मंडी से प्याज की आवक बन्द हो जाने के कारण प्याज के दाम पचास रूपये तक पहुंच गए हैं, जबकि आलू ते30 प्रतिकिलों के भाव से बिक रहा है। यूपी मिलर्स एन्ड ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष भारभूषण गुप्ता का मानना है कि अगर हड़ताल नहीं समाप्त हुई तो 10 दिनों में लखनऊ में भी अनाज की भारी किल्लत हो जाएगी।

चेक बाउंस संबधी संशोधन बिल मंजूर

आरोपित को जमा करानी होगी 20 फीसद धनराशि

नई दिल्ली। बैंक खाते में पैसा नहीं होने के बावजूद चेक जारी करने वालों को अब सतर्क हो जाना चाहिए, क्योंकि संसद में बृहस्पतिवार को एक ऐसा बिल पारित किया गया जिसके तहत चेक बाउंस के आरोपी को राशि का 20 फीसद अदालत में अंतरिम मुआवजे के तौर पर जमा कराना होगा।

बिल में चेक बाउंस के दोषियों को दो वर्ष तक की सजा का प्रावधान है। बृहसपतिवार को राज्यसभा में चर्चा के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गयी। लोकसभा इस बिल को पहले ही पारित कर चुकी है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त राज्यमंत्री शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि समय–समय पर संबंधित कानून में संशोधन होता रहा है और जरूरत पड़ने पर आगे भी ऐसा होगा।

इण्टर कालेज में छात्रा की पिटाई, अभिभावकों ने घेरा स्कूल

शिक्षिका के खिलाफ मारपीट व एससी/एसटी एक्ट में दर्ज कराया मुकदमा

मौके पर पहुंचे जिला विद्यालय निरीक्षक ने प्रधानाचार्य से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ। राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, इंदिरा नगर में शिक्षिका द्वारा छात्रा की पिटाई किए जाने से क्षुब्ध अभिभावकों ने क्षेत्रीय लोगों के साथ बृहस्पतिवार को प्रातरू विद्यालय का घेराव किया। विद्यालय पर घण्टों विद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन तथा जमकर नारेबाजी की गई। स्थिति यह थी कि प्रदर्शन कर रहे कुछ लोगों अपने साथ पत्थर व लाठी–डंडे भी लेकर आए थे। उधर पीड़ित छात्रा के अभिभावक ने गाजीपुर थाने में संबंधित शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। इसके अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय ने भी कार्रवाई के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्य को शुक्रवार तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

ज्ञात हो कि बुधवार को कॉलेज में एलटी ग्रेट की शिक्षिका मीनाक्षी सिंह कक्षा आठ (बी) में पढ़ा रहीं थीं। इस दौरान एक छात्रा कापी–किताब नहीं लाई थी। इस पर शिक्षिका ने छात्रा को सजा के तौर पर ब्लैक बोर्ड की तरफ खड़ा कर दिया। यह देख कक्षा की एक छात्रा अमिता रावत हंसने लगी थी। इस बात पर शिक्षिका चिढ़ गईं तथा अमिता की पिटाई कर दी तथा अन्य छात्राओं को भी सजा दी। छुट्टी के बाद छात्राएं घर पहुंची तथा परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी होने पर बुधवार को ही अभिभावक विद्यालय पहुंचे तथा हंगामा किया। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नन्द कुमार को टेलीफोन द्वारा घटना की जानकारी देकर आरोपी शिक्षिका पर कार्रवाई की मांग की थी। आरोपी शिक्षिका पर कोई कार्रवाई न होने पर बृहस्पतिवार को अभिभावक आक्रोशित हो गए और प्रातरू लगभग साढ़े सात बजे विद्यालय पहुंकर बाहर हंगामा करने लगे। अभिभावकों के साथ इलाकाई भीड़ भी मौजूद थी। संबंधित शिक्षिका पर कार्रवाई न होते देख कुछ ही देर बाद भीड़ उग्र हो गई तथा लोग नारेबाजी करने लगे। स्थिति यह थी लोगों ने कॉलेज परिसर को चारों तरफ से घेर लिया। यह देख विद्याय की प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षिकों ने सभी छात्राओं को कक्षाओं में बंद किया तथा विद्यालय के मुख्य गेट को भी आनन–फानन में बंद कराया दिया गया। विद्यालय के बाहर भारी भीड़ व हंगामे को देखकर विद्यालय प्रशासन इतना डर गया कि उसने किसी अनचाही घटना से बचने के लिये अंदर से कॉलेज का गेट बंद करके पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी होने पर आनन–फानन में भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे गया।

पुलिस बल को देखकर लोग थोड़े शांत अवश्य हुए लेकिन वहीं पर जमे रहकर कार्रवाई की मांग करते रहे। थोड़ी देर बाद जिला विद्यालय निरीक्षक डा. मुकेश कुमार सिंह व जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नन्द कुमार भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने लगभग पांच घंटे तक पीड़ित अभिभावक व उनके साथ मौजूद अन्य लोगों को समझाया, तब जाकर प्रदर्शनकारी शांत हुए। पूरे घटना क्रम की जानकारी लेने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक द्वितीय नन्द कुमार ने विद्यालय की प्रधानाचार्य विमलेश गौतम से शुक्रवार तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उधर पीड़ित छात्रा के अभिभावक नैमी लाल ने आरोपी शिक्षिका के खिलाफ गाजीपुर थाने में मारपीट, गाली गलौज तथा एससीध्एसटी एक्ट में एफआईआर भी दर्ज करा दी है।

कैंसर की बीमारी से छुटकारा दिलाता है कच्चे पपीता का सेवन

वैसे तो सभी फल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते है। पपीता एक स्वादिष्ट फल होता है यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप रोजाना कच्चे पपीते का सेवन करते हैं तो इससे आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। नियमित रूप से कच्चे पपीते का सेवन करने से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी छुटकारा मिलता है।

कच्चे पपीता खाने के फायदे : शरीर में विटामिन सी की कमी होने पर बहुत सारी बीमारियों के होने का खतरा हो सकता है। अगर आपके शरीर में विटामिन सी की कमी है तो रोजाना कच्चे पपीते का सेवन करें।

शुगर के मरीजों के लिए कच्चे पपीते का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। रोजाना कच्चे पपीते का सेवन करने से खून में शुगर की मात्रा कम हो जाती है और इंसुलिन का लेवल बढ़ता है जिस से शुगर कंट्रोल में रहती है।

आजकल ज्यादातर लोग अपने मोटापे की समस्या से परेशान है। ऐसे में रोजाना कच्चे पपीते का सेवन करें। कच्चे पपीते में कुछ ऐसे सक्रिय एंजाइम मौजूद होते हैं जो फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करते हैं।

कच्चे पपीते और इसके बीजों में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन मौजूद होता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

शंख बजाकर सदैव रहें इन दुर्लभ बीमारिया से दूर

हमारे शास्त्रों में शंख बजाने की प्रक्रिया को शुभ माना जाता है। कहा जाता है की शंख की ध्वनि जितनी दूर तक पहुँचती है, उतनी दूर का वातावरण मंगलमय, भक्तिमय व बेहद शुद्ध हो जाता है। आध्यात्म को छोड़ कर हम शंख बजाने के प्रभाव की बात करें तो यह स्वास्थ क्र लियर बहुत अच्छा माना जाता है।

हिन्दू धर्म में लोग पूजा में शंख का इस्तेमाल अधिक करते हैं, उसे बजाने के साथ–साथ उसकी पूजा भी करते हैं। शंख बजाए जाने जितना धार्मिक महत्व है, उतना ही उसका वैज्ञानिक प्रभाव भी है। यहां हम शंख के ऐसे ही चौंकाने वाले फायदों के बारे में बात करेंगे, जिनकी पुष्टि विज्ञान भी कर चुका है३..

शंख की ध्वनि से वातावरण में मौजूद जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। मच्छर भी भाग जाते हैं। यह बात महान वैज्ञानिक जेसी बॉस अपने प्रयोगों के जरिए साबित कर चुके हैं।

नियमित शंख बजाने वाले को कभी हार्ट अटैक नहीं आएगा। शंख बजाने से सारे ब्लॉकेज खुल जाते हैं। इसी तरह बार–बार श्वास भरकर छोड़ने से फेंफड़े भी स्वस्थ्य रहते हैं। हकलाने वाले बच्चों से शंख बजवाया जाए, तो उनकी हकलाहट दूर हो सकती है।

रात में शंख में पानी भरकर रखें और सुबह उसे अपनी त्वचा पर मालिश करें। इससे त्वचा संबंधी रोग दूर हो जाएंगे। साथ ही रात में शंख में भरे गए पानी में गुलाब जल मिलाकर बाल साफ करने पर बाल कभी सफेद नहीं होंगे। यदि आपको पेट में दर्द रहता है और पाचन खराब है तो शंख में रखा पानी पीने से ये रोग दूर हो जाएंगे।

जिन लोगों को नौकरी या कामधंधे का तनाव रहता है, उन्हें भी शंख बजाना चाहिए। शंख बजाते समय दिमाग से सारे विचार चले जाते हैं। इससे तनाव काम करने में मदद मिलती है।

जिन घरों में शंख बताया जाता है, वहां कभी नकारात्मकता नहीं आती है। कहते हैं कि जब शंख बजाया जाता है तो ओम की ध्वनि निकलती है। ओम ही वह शब्द है, जिसका उच्चारण सबसे पहले भगवान ने किया था।

अगर आप भी अपने स्वास्थ को चुस्त और दुरुस्त रखना चाहते हैं तो आप भी शंख बजाने की प्रक्रिया को अपना सकते हैं।

अनिल अंबानी ने राहुल गांधी को खत लिख बताया- क्यों मिला उन्हें राफेल कांट्रैक्ट

अनिल अंबानी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा था। पत्र में उन्होंने राहुल के आरोपों को अपने तथ्यों से खंडन करने की कोशिश की है। राहुल ने आरोप लगाए थे कि रक्षा निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने रिलायंस डिफेन्स को अनुमति दी है, जबकि उन्हें काम करने का विशेष अनुभव नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों को नकारते हुए अनिल धीरू भाई अंबानी ग्रुप के मुखिया अनिल अंबानी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा था । इस पत्र में उन्होंने राहुल गांधी के आरोपों का अपने तथ्यों से खंडन करने की कोशिश की है। राहुल गांधी ने आरोप लगाए थे कि रक्षा सामग्री निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने डसॉल्ट और रिलायंस

डिफेन्स को अनुमति दी है, जबकि इन्हें इस क्षेत्र में काम करने का विशेष अनुभव नहीं है। अपने पत्र में अनिल अंबानी ने बताने की कोशिश की है कि उन्हें इसका ठेका मिलने के पीछे की वजहें क्या थीं?

इंडिया टुडे टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक अनिल अंबानी ने राहुल गांधी को 12 दिसंबर 2017 को पत्र लिखा था। इस पत्र में अंबानी ने दावा किया था कि दो कंपनियों के बीच संयुक्त उपक्रम की साझेदारी होना अलग समझौता है, न तो सरकार का इसमें कोई दखल है और न ही उनकी इसमें कोई भूमिका है। कांग्रेस पार्टी और खासतौर पर राहुल गांधी ने आरोप लगाए थे कि केंद्र सरकार ने इस संयुक्त उपक्रम को ये जानते हुए भी अनुमति दी है कि रिलासंस डिफेंस को इस क्षेत्र में काम करने का खास अनुभव नहीं है।

खाने से दूर भागता है बच्चा, अपनाएं यह तरकीब

बच्चों को खाना खिलाना किसी जंग जीतने से कम नहीं है। आजकल के बच्चे काफी नखरीले होते हैं और वह जल्दी से खाना नहीं खाते। उन्हें खाना खिलाने के लिए माता–पिता को कई पापड़ बेलने पड़ते हैं। अगर आपका बच्चा भी ऐसा ही है तो आप कुछ आसान उपायों के जरिए उन्हें खाना खिला सकते हैं–

बच्चे को जबरदस्ती खाना खिलाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से बच्चे के मन में खाने के प्रति अजीब सी नफरत पैदा होती है और वह खाने से दूर भागने लगते हैं। इसलिए जब उसको भूख लगे तभी खाना दें।

बच्चे में ईटिंग हैबिट्स डेवलप करने के लिए जरूरी है कि आप उनके खाने–पीने का एक रूटीन बनाएं। जब बच्चा रोजाना एक ही समय पर भोजन करना शुरू कर देगा तो उसको खुद ब खुद उस समय पर भूख लगनी शुरू हो जाएगी।

वहीं बच्चों को खाना खिलाने का एक आसान तरीका है कि आप उन्हें खेल–खेल में खाना खिलाएं। खेल– खेल में बच्चे वह चीजें भी खा जाएंगे जो उनको पसंद ना हो। आप चाहे तो उनकी फेवरेट सॉस के साथ ब्रोकली और हरी सब्जियां भी खिला सकते हैं।

आजकल बच्चों को बाहर का खाना खाना काफी पसंद होता है। लेकिन उनकी हेल्थ को ध्यान में रखकर आप उनकी पसंदीदा चीजें जैसे पिज्जा, बर्गर या फ्रेंच फ्राइस को घर पर ही बनाएं। साथ ही उन्हें बिना बताए आप उसमें कुछ हेल्दी सब्जियां आदि भी एड करें। इससे वह खुश होकर खा लेंगे।

एक लाख के इनामी बावरिया गिरोह के बदमाश को गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने विभिन्न जिलों में डकैती और हत्या करने वाले बावरिया गिरोह के एक लाख रुपये के इनामी अपराधी किशन उर्फ कालिया उर्फ राकेश उर्फ राजू को लखनऊ के काकोरी क्षेत्र से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

एसटीएफ के विरष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाराबंकी, लखनऊ और फर्रूखाबाद में सनसनीखेज डकैती तथा हत्या करने वाले बावरिया गिरोह के इनामी अपराधी किशन उर्फ कालिया उर्फ राकेश उर्फ राजू बावरिया को काकोरी इलाके में नागेश्वर मंदिर, जलियामऊ आगरा–लखनऊ हाइवे सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि यह कालिया मूल रुप से राजस्थान के महेन्द्रगढ़ का रहने वाला है। इसने अपना ठिकाना हरियाणा के फरीदाबाद में भी बना रखा है। इसके पास से

तमंचा और कारतूसों के अलावा सोने–चांदी के जेवरात आदि बरामद किए गये।

श्री सिंह ने बताया कि पिछले दिनों बाराबंकी, लखनऊ एवं फर्रूखाबाद में हत्या एवं डकैती की कई सनसनीखेज घटनाओं का खुलासा किया गया था।

तीन फरवरी को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में बावरिया गिरोह के चार बदमाश राजेश उर्फ पेटला, मनोज उर्फ छोटू उर्फ राकेश, राजू उर्फ रमेश तथा महेन्द्र पकड़े गये थे। पकड़े गये बदमाशों से की गयी पूछताछ में बाराबंकी, लखनऊ तथा फर्रूखाबाद की डकैती की घटनाओं में इस गिरोह का सम्मिलित होना पाया गया।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . मेरा भावनात्मक लगाव है जो भी समस्या है उसे हम और आप मिलकर दूर करेंगे। हॉस्टल में 110 यूजी और 68 कमरे पीजी के छात्रों के लिए बने है। जिसका बजट 19. 28 करोड़ और 36 संकाय आवासों के लिए कुल बजट 21 करोड़ 92 लाख हैं। हॉस्टल का आवंटन आज कुलपति द्वारा छात्रों की काउंसलिंग कर किया जायेगा।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . भाव था लेकिन आज पुलिस बल के प्रयास से एक वर्ष के अंदर उत्तर प्रदेश की इस छवि को इसी पुलिस ने बदलने में बड़ा काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था अच्छे राज्यों की तरह है। लेकिन आज भी पुलिस बल उत्तर प्रदेश में कम है। उन्होंने ने कहा कि आज का कार्यक्रम इसलिए महवपूर्ण है क्योंकि अभी भी 160000 से ज्यादा रिक्तियां है। इनको पूरा करने के लिए जो काम पुलिस बल ने किया है यह भर्ती बहुत पहले होनी चाहिए थी। यह देश में पहली बार हो रहा है,कि प्रशिक्षण के लिए वर्चुअल क्लास का काम हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश के साथ अन्य राज्यो में भी अपने प्रशिक्षण का काम आज से शुरू कर रहे है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त प्रशिक्षुओं को जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ की मजबूती व साइबर क्राइम के लिए नए थाने व पीएससी की कंपनियों के पुनर्गठन का काम हमारी सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार की स्थिति में काम करने के लिए पुलिस को तैयार कर रहे है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने प्रशिक्षण कर रहे पुलिस कर्मियों को संदेश दिया कि वो अपने आप को भाग्यशाली समझे कि वो उत्तर प्रदेश पुलिस में शामिल हो रहे है। अगर फोर्स में अनुसाशन नहीं है, तो वे जीवन मे कुछ नहीं कर सकते हैं।

आज की पुलिस ब्रिटश पुलिस नहीं बन सकती, आज की पुलिस को आम जनता के साथ जुड़ना होगा लेकिन जो गलत करते है, उनके लिए भय का पर्याय होने चाहिए। जीवन में सफलता के लिए सॉर्टकट नहीं अपनाना चाहिए। जीवन की स्थायी सफलता के लिए इसको अपनाना जरूरी हैं। प्रदेश के अंदर उद्योग लगने जा रहा है, इसका कारण सिर्फ उत्तर प्रदेश की मजबूत हो रही कानून व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोपहर में यूपी पुलिस के तमाम अधिकारियों की मौजूदगी में सत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पुलिस को जड़ता का शिकार नहीं होना चाहिए। समय के साथ बदलाव करते रहना चाहिए। आज अपराध की प्रवृत्ति और तकनीक बदली है ऐसे में पुसिल को भी अपनी कार्यशैली में बदलाव करना होगा। उन्होंने कहा कि हमने किसी भी आतंकी घटना से निपटने के लिए एटीएस को सक्षम बनाया है। पीएसी की 54 कंपनियों को दोबारा शुरू करने और उन्हें सक्षम बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। आठ जोनल में फॉरेंसिक लैब की स्थापना की जा रही है। योगी बोले कि प्रदेश में आज जो माहौल है वो टीम वर्क की देन है। देश के सबसे बड़े बल यूपी पुलिस की कड़ी मेहनत से प्रदेश की छवि बदली है।

इस मौके पर प्रदेश के डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि सीएम के निर्देशों पर सिपाहियों की भर्ती जल्द कराई गई। पहली बार सेंट्रल आर्म्ड फोर्स के लोग और सेंटर ट्रेनिंग में मदद कर रहे हैं। केरल, राजस्थान, उत्तराखंड में भी ट्रेनिंग हो रही है। इस बार ट्रेनिंग नए सिलेबस से हो रही है।

कंप्यूटर साइंस, साइबर, डिजास्टर मैनेजमेंट, ट्रैफिक मैनेजमेंट ट्रेनिंग में शामिल 42 हजार सिपाहियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। अक्टूबर तक ये भर्ती पूरी हो जाएगी। डीजीपी ओपी सिंह ने बताया कि 34 हजार सिपाहियों की ट्रेनिंग आज से शुरू हो गई है। 42 हजार सिपाहियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। 2019 के जनवरी में 35 हजार सिपाहियों की भर्ती आ रही है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . दरगाह आला हजरत के मुफ्ती अफजाल रजवी और शीरान रजा खां, जिनसे कि निदा का निकाह हुआ था के खिलाफ तलाक इत्यादि का मामला अदालत में भी विचाराधीन है।

आला हजरत खानदान की पूर्व बहू निदा खान के खिलाफ फतवा एक सप्ताह पहले मुफ्ती अफजाल रजवी ने जारी किया था। उनसे शहर इमाम मुफ्ती खुर्शीद आलम ने सवाल किया था–जो निंदा (महिला) कुरान व हदीस में जिक्र होने के बाद हलाला का इन्कार करे और उसे महिलाओं पर जुल्म करार दे, उसके लिए शरीयत का हुक्म बयां किया जाए।

जवाब में कहा गया था कि ऐसी महिला इस्लाम से खारिज हो जाएगी। वह तौबा नहीं करती है तो उससे हर तरह के ताल्लुकात तोड़ लिए जाएं। बीमार पड़े तो देखने न जाएं और मर जाए तो जनाजे में शिरकत नहीं करें। यहां तक कि कब्रिस्तान में दफन होने के लिए जमीन भी न दें।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . फोन नंबर, ईमेल आईडी और पते के साथ उम्मीदवारों के विवरण दो लाख रपए कीमत पर ऑनलाइन रखा गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इतने बड़े स्तर पर निजी डेटा की चोरी से स्तब्ध हैं, जिससे देश भर के उम्मीदवारों की निजता से समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा, ''यह डेटा चोरी रोकने के खिलाफ सुरक्षा उपायों की गंभीर कमी को उजागर करता है और परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करने की सीबीएसई की क्षमता पर सवाल खड़े करता है।' राहुल ने कहा, ''मैं दृढ़ता के साथ आग्रह करता हूं कि आप इस चौंकाने वाली चूक के खिलाफ जांच का आदेश दें और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . ब्रेन हैमरेज से निधन होने के बाद बसपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। दीनानाथ पांडेय ने सैदपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा के महेंद्र नाथ पांडेय को हराया था। ब्रेन हैमरेज के बाद पिछले 2 हफ्ते से वह अस्पताल में भर्ती थे।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . नहीं मजबूर सरकार की पैरोकारी, बसपा सुप्रीमो ने गठबंधन सरकारों को देश हित में जरूरी बताते हुए कहा कि इस बारे में स्व. कांशीराम की राजनीतिक 'ब्रह्मवाणी वर्तमान हालात में सटीक बैठती है।

मायावती ने बताया कि कांशीराम का कहना था कि केंद्र में गठबंधन सरकार रहेगी तो उस पर व्यापक जनहित, देश हित व जनकल्याण में लगातार काम करते रहने की तलवार लटकी रहती है। अपने देश में मजबूत नहीं मजबूर सरकार की जरूरत है। ताकि वह निरंकुश और तानाशाही व्यवहार नहीं कर सके जैसा कि भाजपा के वर्तमान शासनकाल में देखने को मिल रहा है।

लोकतंत्र अब भीड़तंत्र में बदला रू बसपा मुखिया ने राजस्थान के अलवर में हुई मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर भाजपा सरकारों को घेरा। मायावती ने इस प्रकार के मामलों में न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि देश में भीड़ को निर्दोषों की हत्या करने की छूट देने से लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदल देने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा की सरकारों को इतिहास में उनके काले कारनामों के लिए याद किया जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा एंड कंपनी का चाल, चलन और चेहरा, हमेशा से ही आमजन विरोधी व भाईचारा बिगाडने वाला रहा है।

इसी कारण ही भाजपा को आजादी के बाद अधिकांश चुनावों में पूर्ण जनसमर्थन नहीं मिल पाया। गत लोकसभा चुनाव में भी मात्र 31 प्रतिशत वोट ही मिल सका था। इस विचित्र देश के लोकतंत्र के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब कम वोट पाने के बाद भी भाजपा ने पूर्ण बहुमत पा लिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व को मालूम है कि अब दोबारा केंद्र की सत्ता में आने वाले नहीं है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . है। बतौर गवाह विद्या प्रसाद और केशव सिंह गुरुनानी ने माना था कि जो व्यक्ति रजिस्ट्री करवाने आया था, वह अनिल कुमार तिवारी ही है।

इस प्लाट के योजना सहायक रामकिशोर श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी विद्या प्रसाद और रजिस्ट्री का आदेश देने वाले अधिकारी तत्कालीन ओएसडी राहुल सिंह थे।

इनकी भूमिका भी सवालों के घेरे में है। सूत्रों का कहना है कि एलडीए में सक्रिय एक कुख्यात दलाल ने ये पूरा खेल खेला था।

दोनों डीड निरस्त करवाई जाएंगी। 2010 में आवंटी की मृत्यु हुई और 2011 में उसी के नाम पर रजिस्ट्री करवा दी गई। दोनों गवाहों और तत्कालीन अनुसचिव अम्बी बिष्ट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए गोमती नगर थाने में तहरीर दी जाएगी।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . इसलिए मुस्लिम गाय खरीदना और कारोबार करना तत्काल बंद कर दें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में बीजेपी की सरकार है और कई राज्यों में भी इसलिए मुस्लिमों के वोट देने का अधिकार भी खत्म कर दें। जिससे मुसलमान यह सोच ले की अब हमारी कोई जरूरत नहीं है।

(पृ. 1 का शेष) . . . **जैश का शीर्ष** . . . त्याग है। शिक्षामित्रों के हर संघर्ष में समाजवादी साथ हैं। शिक्षामित्रों के साथ भाजपा सरकार ने अन्याय किया है। यादव ने कहा कि भाजपा का उत्तर प्रदेश में 75 सीटें जीतने का दावा हास्यास्पद और आधारहीन है। सच्चाई यह है कि भाजपा को ऐसा लगता है कि देश में कोई समस्या ही नही है। नौजवानों को रोजगार उपलब्ध है, आर्थिक क्षेत्र में कोई संकट नहीं है। भाजपा का यह शुतमुर्गी रवैया है। भाजपा को यह ध्यान रखना चाहिए कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में 1977 के चुनाव में जनता ने सत्ताधारी दल को सबक सिखाया था, उसकी पुनराव्रती अवश्यंभावी है। राजनैतिक परिवर्तन के लिये जनता तैयार है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को नष्ट करना चाहती है। लोकतंत्र को हांकना और जनता के अधिकारों का हनन करना भाजपा का चरित्र है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमला हो रहा है। असहमति की पर आवाज उठाने वालों के प्रति सरकार का बर्ताव बर्बरतापूर्ण है। सात बजट केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकार के आने के बाद भी जनता के हित में कोई कार्य नहीं हुआ। अच्छे दिनों के नाम पर जनता के साथ छलावा हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भीड़ द्वारा हत्या देश के लिए शर्मनाक हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लोकतंत्र के लिये खतरा बताया है और केन्द्र सरकार को कड़े कानून बनाने के लिए निर्देशित भी किया है। भाजपा शासन में देश का अमन–चौन प्रभावित हुआ है। सामाजिक दूरी बढ़ रही है। भाजपा के शासनकाल में अधिनायकशाही नीतियों की वजह से जनता आक्रोशित है। यादव ने कहा कि भाजपा द्वारा जनता को भ्रमित करने की साजिश सफल नहीं हो सकती है।

मॉब लिंचिंग पर जरूरी हुआ तो कानून बनेगा : राजनाथ सिंह

मामलों की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज से करायी जाए : विपक्ष

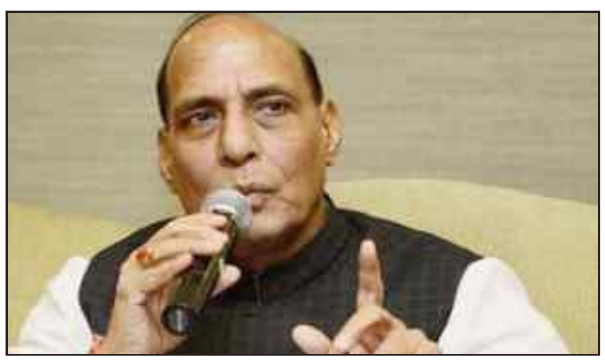

नई दिल्ली। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस तथा माकपा ने देश के विभिन्न हिस्सों में भीड़ द्वारा पीट–पीटकर की गई हत्याओं के मामलों को मंगलवार को लोकसभा में उठाते हुए उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से इनकी जांच कराने की मांग की। इस पर सदन में मौजूद गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि यदि जरूरी हुआ तो इसके लिए कानून भी बनाए जाएंगे।सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस के नेता मल्लिकाजरुन खड़गे ने कहा कि संसद में भले ही इस मुद्दे पर चिंता जताई गई हो, लेकिन सड़कों पर हालात नहीं बदले हैं। सरकार द्वारा

भीड़–हत्या के मामलों पर उच्च स्तरीय समिति गठित किए जाने से असंतुष्ट कांग्रेस नेता ने कहा कि समिति के बजाय इनकी जांच के लिए उच्चतम न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश को नियुक्त किया जाना चाहिए। उनसे जांच कराकर जो भी अपराधी हैं, उन्हें सजा दी जानी चाहिए। राजस्थान के अलवर जिले में 21 जुलाई को हुई घटना पर खड़गे ने आरोप लगाया कि स्थानीय सरकार वहां सहयोग नहीं कर रही है। जवाब में गृहमंत्री ने कहा कि भीड़–हत्या के मामलों पर सरकार भी चिंतित है और उसने इन्हें गंभीरता से लिया है। राजनाथ ने एक बार फिर 1984 की हिसा के बहाने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं दो–चार–पांच साल से नहीं वर्षो से चल रही हैं।

मंडियों को किया जाए आधुनिक सुविधाओं से लैस : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की पहल पर अब मंडियों में भी वाई–फाई की सुविधा मिलेगी। मंडी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों के मुताबिक, मंडियों के आधुनिकीकरण की योजना के पहले चरण में प्रदेश की 25 मंडियों को वाई–फाई युक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में मंडियों का चरणबद्ध तरीके से आधुनिकीकरण कराए जाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार देर रात हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में लिए गए फैसलों के मुताबिक मंडियों में आधुनिक स्वागत कक्ष, सुविधायुक्त विश्रामालय व प्रसाधन गृह के अलावा कोल्ड स्टोर एवं राइपनिंग चेंम्बर की सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके लिए 150 करोड़ अलग से रखे

गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडियों को चरणबद्ध ढंग से आधुनिक बनाया जाए। प्रथम चरण में कुछ विकास खंडों का चयन कर वहां मंडी को सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा खरीफ की फसल के 14 जिंसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। अलीगढ़, मुरादाबाद आदि मंडलों में मक्के की फसल तैयार हो गई है। इसके न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि गेहूं और धान की तर्ज पर खरीफ की अन्य फसलों के क्रय की व्यवस्था की जाए।

सभी मंडियों व उपमंडियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। बैठक में मंडी परिषद के वित्तीय वर्ष 2018–19 के लिए 2,911 करोड़ रुपये के व्यय बजट को मंजूर किया गया। इसके अलावा गोरखपुर के मण्डलायुक्त द्वारा कुशीनगर में नई मंडी के लिए भूमि क्रय एवं निर्माण के लिए 2106 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर आई. आर.सी.टी.सी. घोटाले में फैसला 30 को

नई दिल्ली। बिहार के दिग्गज नेता लालू प्रसाद यादव उनकी पत्नी राबड़ी और उनके बेटे तेजस्वी की मुश्किलों में आने वाले दिनों में इजाफा हो सकता हैं. बता दे कि आईआरसीटीसी घोटाला मामला के तहत लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर आगामी 30 जुलाई को पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा आरोपियों के तौर पर समन किया जाए या नहीं इस पर फैसला किया जाएगा. इस संबंध में मौजूदा सरकार में रेल मंत्री का पदभार संभाल रहे पियूष गोयल ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के एक पूर्व महाप्रबंधक के खिलाफ मुकदमा चलने के लिए अनुमति प्रदान कर दी है. बता दे कि चारा घोटाला मामले में फिलहाल लालू प्रसाद यादव जेल में

सजा काट रहे हैं. जहां अब एक बार फिर उनकी मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं. सीबीआई ने रांची और पुरी में आई आर सी टी सी द्वारा संचालित दो होटलों का रखरखाव पटना में 2006 में महत्वपूर्ण जगह पर स्थित तीन एकड़ के एक प्लॉट के बदले विनय और विजय कोछार के स्वामित्व वाली कंपनी सुजाता होटल्स को सौंपने में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और अन्य के खिलाफ 16 अप्रैल को आरोपपत्र दायर किया था.

इस ममले में कुल 14 लोगों का नाम शामिल था. जिसमे कि लालू की पत्नी राबड़ी देवी और उनके बेटे तेजस्वी का भी नाम था. इससे पहले ब्ठप् ने रेलवे को एक पात्र लिखा था, जहां उसने महाप्रबंधक अग्रवाल के खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए अनुमति की मांग की थी.

सस्ती होंगी ये 88 वस्तुएं

नई दिल्ली। अगर आप कई दिनों से महंगाई के कारण फ्रिज, टीवी या वॉशिंग नहीं ले पा रहे थे, तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। घरेलू सामान की यह प्रमुख वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। सरकार ने आम उपयोग की 88 चीजों को सस्ता करने का फैसला किया है। दरअसल, जीएसटी परिषद की पिछले हफ्ते हुई बैठक में जीएसटी कम करने का निर्णय किया गया था। यह फैसला आज से लागू होगा। जीएसटी परिषद की बैठक वित्त मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हुई थी। इन आम उपयोग के उत्पादों पर अब घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इतना ही नहीं कुछ वस्तुएं ऐसी भी हैं, जिन्हें जीएसटी के दायरे से हटा दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि आम वस्तुओं पर ज्यादा जीएसटी दर लगने का विरोध हो रहा था। आम जनता की शिकायत थी कि जरूरी वस्तुओं पर ज्यादा कर उन्हें परेशान कर रहा है। इसके बाद सरकार ने यह फैसला लिया और प्रमुख वस्तुओं से जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। , वहीं कई सामानों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया आर कुछ अन्य सामानों पर भी जीएसटी घटा दिया गया है।

कुलदीप सिंह सेंगर के भतीजे पर छेड़छाड का आरोप, एफआईआर दर्ज

लखनऊ। यूपी के उन्नाव जिले के बांगरमऊ विधायक कुलदीप सिंह सेंगर इस समय दुष्कर्म के मामले में सीतापुर जेल में बंद है। अभी सेंगर की मुश्किलें कम भी नहीं हुई थी कि उनके डॉक्टर भतीजे के खिलाफ नेशनल कराटे चौंपियन युवती ने छेड़छाड़, लूटपाट और धमकाने का मामला दर्ज कराया है। युवती का आरोप है कि कुलदीप सेंगर के भतीजे ने छेड़छाड़ के दौरान वीडियो बना लिया था और फोटो खींच ली थी।अब वह फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है।

पीड़िता का आरोप है कि जब वो उन्नाव में एक अस्पताल में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात थी तो विधायक के भतीजे ने उसका शारीरिक शोषण किया और अब वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। वहीं विधायक के रसूख के चलते

पीड़िता की कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। इस मामले में उन्नाव पुलिस ने युवती और उसके परिवार को धमकाकर समझौता करा दिया था।

वहीं इस मामले में एसपी उत्तरी रवीना त्यागी का कहना है कि मामला दर्ज करने में पुलिस ने कोई लापरवाही नहीं बरती है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय थाने और आरोपों की पुष्टि करते हुए आरोपित डॉ. मानवेंद्र समेत सात लोगों के खिलाफ आइटी एक्ट और छेड़खानी में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, नेशनल कराटे चौंपियन रही बर्रा निवासी युवती का आरोप है कि वर्ष 2015 से 2017 तक वह उन्नाव के सरकारी अस्पताल में संविदा पर फार्मासिस्ट के पद पर नौकरी कर रही थी।

विधायक का भतीजा होने के प्रभाव में पुलिस ने युवती को पूरे परिवार समेत जेल भेजने की धमकी देते हुए समझौता करा दिया था। इस मामले में विधायक के भतीजे पर रिपोर्ट दर्ज होने पर उन्नाव मामला एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है।

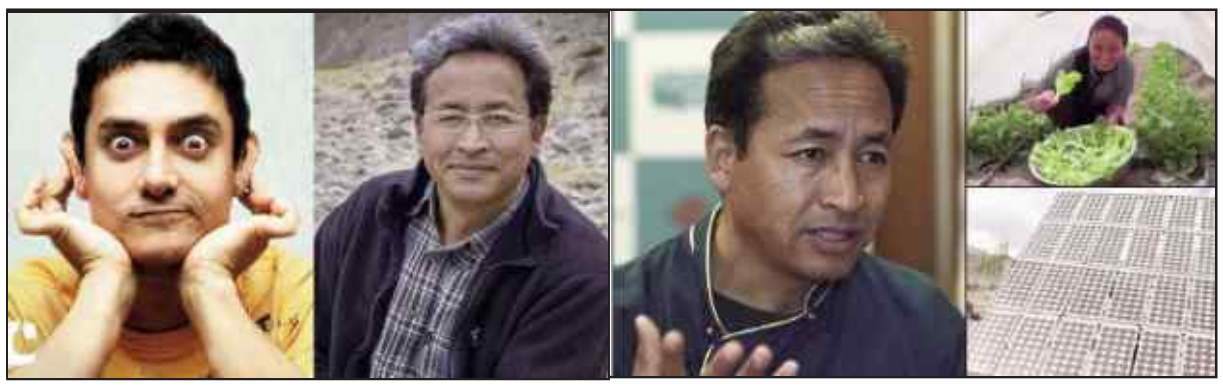

आमिर की फिल्म 3 इडियट्स के रियल 'पुंसुक वांगडू' को मिलेगा रोमन मैग्सेसे अवार्ड 2018

नई दिल्ली। श्री इडियट्स फिल्म में आमिर खान ने जिस व्यक्ति पर आधारित किरदार निभाया था, अब उन्हें एशिया का नोबल पुरस्कार दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गए किरदार श्पुंसुक वांगडूश से काफी मिलता जुलता है। पुंसुक वांगडू की तरह ही सोनम वांगचुक ने भी विज्ञान और रचनात्मकता का उपयोग कर देश के युवाओ के जीवन में से वाद विवाद हो जाता था । एनआईटी श्रीनगर से इं जीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद उन्होने लेह मे कोचिंग सेंटर खोलने की योजना बनाई । जल्द ही उनकी कोचिंग इतनी कई वैज्ञानिक और बिजनस मेन भी शामिल है । 1994 में उन्होने के 'आपरेशन न्यू होप' शुरू किया गया जिसका उद्देश्य शैक्षिक सुधार कार्यक्रम को विस्तारित करना था । उनकी

लद्दाख के श्रद्धा पुनर्वास फाउंडेशन के संस्थापक सोनम वांगचुक का नाम इस वर्ष के रोमन मैग्सेसे अवार्ड 2018 के लिए चुना गया है। सोनम वांगचुक को रियल लाइफ पुंसुक वांगडू के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल सोनम वांगचुक का जीवन 3 इडियट्स में आमिर खान के द्वारा निभाए सुधार का प्रयास किया है।

सोनम वांगचुक का जन्म एक सितम्बर 1966 को हुआ था, 3 इडियट्स के पुंसूक वांगडू की तरह ही सोनम वांगचुक को भी शुरू से ही मैकानिकल इं जीनियरिंग का शौक था लेकिन उनके पिता चाहते थे की वो सिविल इंजीनियरिंग ही करे। इस मुद्दे पर उनका अक्सर पिता पसंद की जाने लगी की उनकी चार साल की पढ़ाई की फीस सिर्फ दो महीने मे ही निकल गयी ।

सोनम ने अपनी कोचिंग मे ऐसे बच्चो को प्राथमिकता दी जो पढ़ाई मे कमजोर थे या किसी न किसी महत्वपूर्ण परीक्षा मे फेल हो चुके थे । आज उनके कई छात्र उचे मकामों पे है जिनमे इन्ही उपलब्धियों की वजह से ही रोमन मैग्सेसे फाउंडेशन ने उन्हे रोमन मैग्सेसे अवार्ड 2018 के लिए चुना है। आपको बता दें कि इस प्रतिष्ठित पुरूस्कार को एशिया का नोबेल पुरस्कार भी माना जाता है। इस पुरूस्कार के लिए सोनम वांगचुक के अलावा और पाँच भारतीयो को चुना गया है ।

इराक, सीरिया में अपनी क्षेत्रीय शाखाएं दोबारा तैयार कर रहा इस्लामिक स्टेट

न्यूयॉर्क। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) सीरिया और इराक में अपनी क्षेत्रीय शाखाओं को दोबारा तैयार कर रहा है। इसके साथ ही यह कयास लगाए जा रहे हैं कि 2017 में कब्जा हटने के बाद संगठन ने आंतरिक ढांचागत परिवर्तन किए हैं।

बीबीसी ने एसआईटी आई के हवाले से कहा, "आईएस ने सीरिया और इराक में दमिश्क, रक्का, किर्कुक और उत्तरी बगदाद जैसे पृथक प्रांत का दर्जा पाए क्षेत्रों के लिए उपयोग किए जाने वाले शब्द 'विलायह' के उपयोग को खत्म कर दिया है।"

इस शब्द का उपयोग अब सीरिया और इराक के बड़े इलाकों के लिए किया जा रहा है। आईएस ने विलायह ऑफ शाम (सीरिया) और विलायह ऑफ इराक शब्दों का उपयोग इससे पहले नहीं किया था। इनका उपयोग क्षेत्रीय पद के लिए किया गया है।

ये बदलाव संगठन के साप्ताहिक समाचार पत्र अल–नबा में 20 जुलाई को किए गए। अरबी भाषा के समाचार पत्र में आईएस ने बदलाव को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

इसके बाद से सीरिया और इराक में हुए हमलों के लिए विलायह ऑफ शाम या विलायह ऑफ इराक को जिम्मेदार ठहराया जाने लगा।

रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रों की आधिकारिक स्थिति में बदलाव, 2017 में क्षेत्र में हुई हार के बाद एक पुनर्गठन के तौर पर देखा जा रहा है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि लीबिया, यमन या सऊदी अरब जैसे देशों में ऐसा ही ढांचागत परिवर्तन हो रहा है या नहीं।

संगठन मिस्र में अपनी शाखा को 'विलाया ऑफ सिनाई' के नाम से ही बुलाता है और इसे दक्षिण–पूर्व एशिया से जुड़ा हुआ मानता है।

तीसरी बार मिले पीएम मोदी और जिनपिंग

जोहानसबर्ग। अपने विदेश दौरे के तहत ब्रिक्स सम्मलेन में हिस्सा लेने दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सम्मलेन के पश्चात् चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की. जिनपिंग के साथ अपनी पि चली मुलाकातों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इन मुलाकातों ने भारत–चीन संबंधों को एक नई ताकत दी है और दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर भी प्रदान किए हैं. पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस गर्मजोशी को बनाए रखना होगा ताकि हम नियमित रूप से च अर्चा कर अपने संबंधों की समीक्षा कर सकें और उन्हें सुधारने के लिए प्रयत्न कर सकें.

इसके अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी ट्वीट करते हुए पीएम मोदी और जिनपिंग की मुलाकात की पुष्टि की, उन्होंने लिखा कि 'भारत–चीन की

मित्रता और आगे बढ़ी, पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन से इतर बातचीत की, समझा जाता है कि दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य, ब्रिक्स सहयोग तथा आपसी हित के अन्य मुद्दों पर अपने–अपने विचार रखे.'

वहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को साफ तौर पर संरक्षणवाद को खारिज करना चाहिए. ब्रिक्स सम्मलेन में भी उन्होंने विदेशी सामानों पर कर बढ़ने को लेकर अमेरिका की आलोचना की. विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन और अन्य कारोबारी सहयोगियों के साथ ट्रंप प्रशासन के ट्रेड वार का मुद्दा सम्मेलन में छाया रहा।

'नया पाकिस्तान' को लेकर चीन चिंतित, सीपीईसी के भविष्य पर संकट?

नई दिल्ली। पाकिस्तान में हुए 11वें आम चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद अब सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने पाकिस्तान तहरीक–ए–इसाफ प्रमुख इमरान खान का प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। उनकी पार्टी 118 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रुप में सामने आई है। चुनाव में मिली इस जीत के बाद गुरुवार को इमरान खान ने देश को पहली बार संबोधित किया। इस दौरान अपने भारण में उन्होंने भारत के साथ रिश्ते सुधारने और चीन को अपना मॉडल करार दिया। हालांकि पाकिस्तान के मौजूदा हालात को देखते हुए चीन और भारत दोनों ही चिंतित हैं।

दरअसल, पाकिस्तान इन दिनों भयंकर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे में सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए पाक का सबसे निकटतम दोस्त कहा जाने वाला चीन भी चिंतित है। क्योंकि शी जिनपिंग सरकार ने पाकिस्तान में बड़ा निवेश कर रखा है। वहीं पाकिस्तान चीन

इकोनॉमिक कॉरीडोर (सीपीईसी) के भविष्य पर भी अब संकट मंडरा रहा है। यह चीन की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है।

ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक, पश्चिमी मीडिया का मानना है कि पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन और इमरान खान के प्रधानमंत्री बनने से चीनी परियोजनाएं संकट में पड़ सकती है। इसकी वजह है इमरान खान के इन परियोजनाओं में हिस्सेदारी की मांगना। ऐसे में सीपीईसी मुश्किल में फंस सकता है। गौरतलब है कि इमरान ने अपने चुनावी रैलियों के दौरान सीपीईसी में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किये थे।

वहीं, भारत भी पाकिस्तान के नए वजीर–ए–आजम इमरान खान को लेकर चिंतित है और वह 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है। हालांकि अभी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया तो नहीं आई है, लेकिन मोदी सरकार के मंत्री इस सत्ता परिवर्तन के बाद भी भारत के पुराने स्टैंड पर कायम रहने की बात दोहराई है। साथ ही सरकार के कई मंत्रियों ने आशंका जाहिर की है कि इमरान आर्मी की कठपुतली बनकर रहेंगे।

इमरान खान की जीत पर केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का कहना है कि पाकिस्तान में कोई भी सरकार बने, भारत के साथ उनका रवैया वही रहने वाला है। वहां पहले भी मिलिट्री का आदेश चलता था। मिलिट्री रूल करती थी और आगे भी मिलिट्री ही रूल करेगी। हालांकि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री हंसराज अहीर ने दोनों देशों के बीच संबंध में कटुता कम

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा।
संपादक

crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222